UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज बाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-228 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 31 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

मायावती ने बदला था नाम, मुलायम ने किया गठन, अखिलेश का एक्शन

अब सीएम योगी की 'संत रविदास नगर' वाली घोषणा

भदोही: उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के नाम को लेकर विवाद लगातार गहराता रहा है। 1995 में यूपी के 65वें जिले के रूप में गठित किए गए भदोही का नाम बदलने को लेकर बहुजन समाज पार्टी की ओर से जबर्दस्त दबाव बना।

हालांकि, बात नहीं बनी। जैसे ही जिला गठन के बाद बहुजन समाज पार्टी सत्ता में आई और मायावती मुख्यमंत्री बनीं, उन्होंने इस जिले का नाम बदल दिया। इसके बाद जिले का नाम भदोही से संत रविदास नगर हो गया। वर्ष 2012 में एक बार फिर समाजवादी पार्टी सरकार बनते ही जिले का नाम बदलकर भदोही कर दिया गया। इसके बाद से इस नाम पर राजनीति लगातार गरमाती रही है। संत रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ की घोषणा ने राजनीति को जबर्दस्त गरमा दिया है। 90 के दशक में वाराणसी जिले को बांटने की तैयारियां शुरू की गईं। इस शहर का इतिहास काफी पुराना है। भार शासनकाल में भदोही इस राज्य की राजधानी था। 15वीं सदी में भार शासनकाल को सागर राय और मोनास राजपूतों के हाथों हार झेलनी पड़ी। सागर राय के पोते जोधराय ने इसे मुगल शासक शाहजहां से जमीनदारी के रूप में हासिल किया था। वर्ष 1750 में यह बनारस रियासत का हिस्सा बना। वर्ष 1911 में महाराजा प्रभु नारायण सिंह ने इसे अपनी बनारस रियासत का हिस्सा बनाया। इसके बाद यह बनारस का अंग बना रहा। स्वतंत्र भारत में भी भदोही का भाग वाराणसी जिले में ही सिमटा हुआ था। मुलायम सिंह यादव सरकार ने इस जिले को अलग करने की रणनीति पर काम किया। 30 जून 1994 को भदोही को जिला के रूप में दर्जा दे दिया गया। इस प्रकार यह उत्तर प्रदेश का 65वां और सबसे छोटा जिला बन गया। मुलायम सरकार के पतन के बाद बहुजन समाज पार्टी सत्ता में आई। सीएम के पद पर मायावती विराजमान हुईं। इसके बाद उन्होंने जिलों के नाम बदलने शुरू किए। इस क्रम में भदोही जिले का नाम बदलने का फैसला लिया। सरकार के स्तर पर प्रक्रिया पूरी कराई गई। संत रविदास की जन्मस्थली वाराणसी जिले में स्थित सीर गोवर्धनपुर में स्थित है। वाराणसी के पौराणिक शहर का दर्जा होने के कारण इसके नाम में बदलाव नहीं हो सकता था। ऐसे में मायावती ने तीन साल पहले बने जिले भदोही का नाम संत रविदास के नाम पर रखने का निर्णय लिया। 4 दिसंबर 1997 को भदोही का नाम बदलकर संत रविदास नगर कर दिया गया। मायावती के निर्णय के बाद मुलायम सिंह यादव सत्ता में आए, लेकिन उन्होंने नाम में बदलाव को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया। वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार सत्ता में आई। इसके बाद अखिलेश यादव ने मायावती सरकार के नाम में बदलाव के फैसले को पलट दिया। 6 दिसंबर 2014 को एक बार फिर संत रविदास नगर का नाम बदलकर भदोही कर दिया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वाराणसी के कार्यक्रम में भदोही का नाम बदलकर संत रविदास नगर करने की घोषणा कर दी। मायावती

मुगल शासकों की राह पर अखिलेश यादव, जिंदा पिता को गद्दी से हटाकर बने अध्यक्ष

ऐसा करने वालों से क्या उम्मीद

(यंग भारत न्यूज)

बागपत : उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने अखिलेश की तुलना मुगल शासकों से करते हुए कहा कि जैसे मुगल शासक अपने बाप को जेल में डालकर गद्दी पर बैठते थे, उसी तरह अखिलेश भी अपने जिंदा बाप को हटाकर अध्यक्ष बन बैठे. इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी.

दरअसल, गुरु पूर्णिमा के अवसर बड़ागांव स्थित तपस्वी आश्रम में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण भी शामिल हुए थे. इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर करारा हमला बोला. उन्होंने कहा कि जिस तरह मुगल शासक अपने पिता को जेल में डालकर सत्ता पर काबिज हो जाते थे, उसी तरह अखिलेश यादव ने अपने जीवित पिता को पार्टी की गद्दी से हटाकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष का पद हासिल किया. उन्होंने कहा कि जिसने अपने पिता तक को नहीं छोड़ा, उससे और क्या उम्मीद की जा सकती है? वहीं, जंतर-मंतर पर हुए छात्रों के प्रदर्शन को लेकर मंत्री ने कहा कि छात्रों की पीड़ा को देखते हुए प्रधानमंत्री ने उचित कदम उठाए हैं. उस प्रदर्शन में असामाजिक तत्व घुस गए थे, जिन्होंने माहौल बिगाड़ने का काम किया. उन्होंने कहा कि कोई भी संस्कारी और खानदानी छात्र या युवा प्रधानमंत्री को गाली नहीं दे सकता? इथेनॉल को लेकर विपक्ष के सवालों पर मंत्री ने कहा कि इथेनॉल कोई नई चीज नहीं है. बढ़ते तेल संकट के विकल्प के रूप में इसका उपयोग बढ़ाया गया है और अब इथेनॉल आधारित वाहन भी बनाए जा रहे हैं. मंत्री ने कहा कि इथेनॉल नीति से किसानों का गन्ना भुगतान बेहतर हो रहा है, जिससे विपक्ष को परेशानी हो रही है. कैबिनेट मंत्री ने देश की रक्षा और औद्योगिक क्षमता का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि एक समय रिवॉल्वर और गोलियां विदेशों से आयात होती थीं, जबकि आज भारत करोड़ों रुपये के हथियार निर्यात कर रहा है. पहले ट्रैक्टर के पुर्जे तक बाहर से मंगाने पड़ते थे, लेकिन अब देश हवाई जहाज तक बना रहा है. साथ ही, उन्होंने विपक्ष पर विदेशों में भारत की छवि खराब करने का भी आरोप लगाया

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना; आवेदन-मंजूरी का अनुपात कितना? जानें युवाओं की जमीनी मुश्किलें

मेरठ: उत्तर प्रदेश में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार की 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना' को गेम-चेंजर माना जा रहा है, जो बिना गारंटी और बिना ब्याज के 5 लाख रुपए तक का लोन दे रही है. लेकिन क्या वाकई यह लोन युवाओं को आसानी से मिल रहा है? हमारी जमीनी पड़ताल बताती है कि सरकारी कार्यालयों से लेकर बैंकों के चक्कर काटते-काटते कई युवाओं के उद्यम शुरू करने के सपने दम तोड़ रहे हैं. मेरठ में सीएम-युवा योजना परवान चढ़ती नजर नहीं आ रही है. युवाओं की रुचि तो लोन लेने में है, लेकिन बैंकों की दिलचस्पी कतई नहीं दिखाई दे रही. जिले में सैकड़ो बैंक ऐसे हैं, जिन्होंने अभी तक मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत एक भी लोन पास नहीं किया है. इतना ही

लोन पाने वाले युवाओं का आंकड़ा भी बेहद ही कम है. ऐसे में यह योजना परवान

युवा तैयार-बैंक सुस्त: योगी सरकार मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान

युवाओं ने किए हैं. हालांकि यह फाइलें अभी तक इंतजार कर रही हैं, कि उन पर उद्योग या सेवा व्यवसाय शुरू करने के लिए 5 लाख तक का ब्याज-मुक्त (0% और बिना गारंटी का लोन दिलाने का दावा करती है. युवाओं में यह लोन लेने की रूचि दिखाई देती है. यही वजह है कि अप्रैल 2026 से जून महीने तक 1300 आवेदन पर सरकार का दबाव भी है कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को लाभ दिया जाए. मेरठ के उद्योग उपायुक्त अमरेश कुमार पांडेय ने बताया कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में 5 लाख तक का लोन दिया जाता है. इस योजना में गारंटी भी सरकार लेती है. वह कहते हैं कि इससे अच्छी दूसरी कोई योजना नहीं आई है.युवाओं के लिए बेहतर स्कीम: उद्योग उपायुक्त का कहना है कि अभी तक मेरठ जिले के लिए 2300 युवाओं को इस योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य शासन की तरफ से मिला है. ज्यादा से ज्यादा युवा इस स्कीम से जुड़कर अपना स्टार्टअप शुरू करें, इसके लिए कॉलेज से लेकर आरसेटी (स्वरोजगार का प्रशिक्षण दिलाने वाली संस्था) में भी कैंप लगा रहे हैं.

नाम बदलने का खेल अब खत्म होगा, 2027 में जनता सरकार बदलने को तैयार : अखिलेश यादव

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ, 29 जुलाई (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को भदोही जिले का नाम फिर से संत रविदास नगर किए जाने के फैसले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ' 'नाम बदलने का खेल'' अब समाप्त होगा, क्योंकि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जनता सरकार बदलने की तैयारी कर चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से बुधवार को वाराणसी में की गई घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ' 'जो लोग देवी-देवताओं तक के नाम बदल सकते हैं, उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है? अब नाम बदलने का यह खेल खत्म होगा, क्योंकि जनता सरकार बदलने के लिए तैयार है। सपा प्रमुख की यह टिप्पणी मुख्यमंत्री आदित्यनाथ द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'समरसता संकल्प अभियान' के शुभारंभ के अवसर पर भदोही जिले का नाम फिर से संत रविदास नगर किए जाने की घोषणा के कुछ घंटे बाद आई। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इस अभियान को भाजपा की दलित संपर्क पहल के रूप में देखा जा रहा है। वाराणसी से अलग कर बनाए गए भदोही जिले का नाम तत्कालीन समाजवादी पार्टी सरकार ने छह दिसंबर, 2014 को संत रविदास नगर से बदलकर भदोही कर दिया था। वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में आदित्यनाथ ने कहा कि संत रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर जिले का पुराना नाम बहाल करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे फैसले उन लोगों को पसंद नहीं आएंगे, ' 'जो बाबर और औरंगजेब को अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी ' 'लोगों को बांटने और उन्हें आपस में लड़ाने का काम करती है।

हाई कोर्ट मे तारीख पर तारीख के चक्कर में उरई मेडिकल कॉलेज मे ठप्प हो सकता मरीजों का इलाज

हाईकोर्ट में प्रधानाचार्य विवाद का खामियाजा भुगत रहे मरीज, उरई मेडिकल कॉलेज में दवाओं और जरूरी सामग्री का संकट गहराया

- प्रधानाचार्य पद के विवाद के बीच खरीद प्रक्रिया प्रभावित, अस्पताल संचालन पर पड़ रहा असर
- बेसिक दवाओं से लेकर सिरिंज, ऑक्सीजन मास्क, आईवी सेट और एनेस्थीसिया दवाओं तक की कमी का दावा
- तीमारदारों से जन औषधि केंद्र से दवाएं मंगवाने की नौबत, मरीजों की बढ़ी परेशानी
- संविदा चिकित्सकों से अवधि बढ़ाने के नाम पर धन मांगने के आरोप, प्रशासनिक जांच की उठी मांग

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

उरई। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई इन दिनों प्रशासनिक असमंजस और प्रधानाचार्य पद को लेकर चल रहे विवाद के कारण चर्चा में है। वर्तमान प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र और पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी से जुड़े प्रकरण के हाईकोर्ट में लंबित होने के बीच मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल असर पड़ने का दावा किया जा रहा है। सबसे अधिक परेशानी मरीजों और उनके परिजनों को उठानी पड़ रही है, क्योंकि अस्पताल में उपचार के लिए आवश्यक कई दवाओं और चिकित्सा सामग्री की उपलब्धता प्रभावित होने की बात सामने आ रही है।

सूत्रों के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारों और वित्तीय स्वीकृतियों को लेकर उत्पन्न स्थिति के कारण आवश्यक चिकित्सा सामग्री की खरीद समय पर नहीं हो पा रही है। इसका सीधा असर अस्पताल की दैनिक सेवाओं पर दिखाई दे रहा है। मरीजों के परिजनों का कहना है कि अस्पताल में उपलब्ध होनी चाहिए ऐसी कई आवश्यक दवाएं और उपकरण बाहर से खरीदने पड़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि सामान्य उपचार में उपयोग होने वाली कई बेसिक दवाओं का स्टॉक समाप्त होने की स्थिति में है। जिन दवाओं का वितरण अस्पताल से होना चाहिए, उनमें से कुछ मरीजों के तीमारदारों को जन औषधि केंद्र अथवा निजी मेडिकल स्टोर से खरीदकर लानी पड़ रही हैं। इससे

आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। अस्पताल में ऑक्सीजन मास्क, नेबुलाइजर मास्क, वीगो में लगाए जाने वाले मेडिकल टेप, फिनाइल, एसिड और हार्पिक जैसी सफाई सामग्री की भी कमी होने का दावा किया जा रहा है। इसके अलावा ऑपरेशन और उपचार में उपयोग होने वाले CIDEX Solution जैसे उपकरणों को संक्रमणमुक्त करने वाले रसायन, Foley Catheter, सिरिंज, I.V. सेट, नॉर्मल सैलाइन (N.S.), एनेस्थीसिया दवाएं, डाइनाप्लास्ट, गॉज थान तथा मधुमेह मरीजों के लिए आवश्यक इंसुलिन जैसी सामग्री भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होने की बात कही जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन आवश्यक सामग्रियों की कमी बनी रहती है तो मरीजों के उपचार, ऑपरेशन और आपातकालीन सेवाओं पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से सर्जरी, ट्रॉमा और गंभीर मरीजों के इलाज में इन वस्तुओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इधर मेडिकल कॉलेज में कार्यरत संविदा चिकित्सकों को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि जिन चिकित्सकों की संविदा अवधि बढ़ाई जानी है, उनसे दो-दो लाख रुपये की मांग प्रधानाचार्य कार्यालय स्तर से की जा रही है। आरोप लगाने वालों का कहना है कि पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी के कार्यकाल में संविदा अवधि बिना किसी लेन-देन के बढ़ाई जाती थी। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। मेडिकल कॉलेज से जुड़े कर्मचारियों और मरीजों के परिजनों का कहना है कि प्रशासनिक विवाद का असर जनता पर नहीं पड़ना चाहिए। उनका कहना है कि हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन होना अपनी जगह है, लेकिन अस्पताल की नियमित चिकित्सा सेवाएं और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों ने शासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि मेडिकल कॉलेज की वर्तमान स्थिति की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा यदि आवश्यक दवाओं और चिकित्सा सामग्री की कमी है तो तत्काल उनकी उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही संविदा चिकित्सकों से कथित धन उगाही के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

एसआरपी इंटर कालेज में एनसीसी जूनियर डिवीजन भर्ती सम्पन्न

-कुल 47 अभ्यार्थीयो में 25 का हुआ चयन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के एसआरपी इंटर कालेज में गुरुवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर की 58 बटालियन उरई के तत्वावधान में जूनियर डिवीजन प्रथम वर्ष की भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।भर्ती में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयन प्रक्रिया के तहत लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण तथा दस्तावेजों का सत्यापन निर्धारित मानकों के अनुसार कराया गया।

भर्ती प्रक्रिया में कुल 47 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 25 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। अभ्यर्थियों की फिटनेस, अनुशासन, शारीरिक क्षमता एवं अन्य आवश्यक मानकों का बारीकी से परीक्षण किया गया, ताकि योग्य और सक्षम कैडेटों का चयन सुनिश्चित किया जा सके।स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच के चिकित्सक डॉ. राजेश निरंजन ने अभ्यर्थियों का परीक्षण किया। वहीं नेत्र परीक्षण में ओटी टेक्नीशियन

सर्वेश कुमार ने सहयोग किया। स्टाफ नर्स दीपा, आईसीटीसी की रेखा कुशवाहा, सुनीता तथा वार्ड आया ने भी भर्ती प्रक्रिया को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष पोरवाल एवं एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट विजय वर्मा ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एनसीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि एनसीसी अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रभक्ति, सेवा भावना और आत्मविश्वास का विकास करती है। इससे युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ती है और वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से एनसीसी से जुड़कर देश सेवा के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व को निखारने का आह्वान किया। भर्ती प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में 58 बटालियन उरई के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रसन्ना सेन के निर्देशन में एनसीसी यूनिट के नायब सूबेदार मनोहर सिंह, हवलदार हीरेंद्र सिंह, हवलदार नवीन कुमार तथा विद्यालय के एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट विजय वर्मा सहित अन्य स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

इलाज के दौरान मरी गर्भवती महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कांशीराम कालोनी की रहने वाली एक गर्भवती महिला की इलाज के दौरान झांसी मेडिकल कालेज में मौत हो जाने की घटना के बाद सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, कांशीराम कालोनी निवासी गर्भवती महिला पूनम उम्र 28 वर्ष पत्नी सोनू कुशवाहा प्रसव से पूर्व दर्द होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची थी जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत देख उसे उरई रेफर कर दिया था लेकिन उरई से भी उसे झांसी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया था। बुधवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दोपहर में शव यहां लाया गया, सूचना पर पहुंचे अतिरिक्त निरीक्षक अरुण कुमार ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि पूनम के शरीर में खून की कमी थी जिससे उसकी हालत बिगड़ी और मौत हो गई। इससे पहले पूनम को एक लड़की हुई थी जिसकी कुछ समय बाद ही मौत हो गई थी ।बताया गया पूनम की यह दूसरी डिलिवरी थी।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग घायल, जिला अस्पताल रेफर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र में ग्राम लौना के पास गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में 70 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ब्यौना निवासी रमेशचन्द्र उपाध्यक्ष पुत्र नेतराम उपाध्याय अपनी पत्नी मीरा देवी और नातिन के साथ कोंच से अपने गांव ब्यौना लौट रहे थे ।तभी ग्राम लौना के पास पीछे से तेज गति से आ रही एक बुलट मोटरसाइकिल ने उनके वाहन को टक्कर मार दी ।टक्कर इतनी जोरदार थी कि रमेशचन्द्र सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनकी पत्नी और नातिन को मामूली चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहगीरों ने मानवता का परिचय देते हुए तत्काल निजी वाहन की व्यवस्था की और घायल रमेशचन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हे जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। घटना के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण और नियमित यातायात जांच की मांग की है।

कम समय मे रकम दुगनी करने का झांसा देने वाली कंपनी का एजेंट अब निवेशकों से परेशान

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कम समय में दुगना का लालच देकर कंपनी ने एजेंट के माध्यम से निवेशकों का पैसा जमा कर लिया और इसके बाद कंपनी रफू चक्कर हो गई अब निवेशक एजेंट के पीछे पड़े हुए हैं जो अपनी जमा राशि को वापिस मांग रहे हैं जिस पर एजेंट ने सुरक्षा की गुहार लगाई है ।द लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एवं सोसायटी लिमिटेड सेक्टर 1 आई एफ सी एस 4 फ्लोर अंशल प्लाजा बैगाली गाजियाबाद ने मुहल्ला गोखले नगर निवासी सुनील झाँ पुत्र चन्द्र प्रकाश झाँ को कम समय में दुगना का लालच देकर ग्राहकों का रुपया जमा कराने के लिए कहा जिस पर सुनील ने निवेशकों से रुपया उक्त कम्पनी में जमा कराया लेकिन कुछ समय के बाद ही कम्पनी भाग गयी और अब निवेशक एजेंट के पीछे पड़े हैं और अपना जमा रुपया मांग रहे हैं जबकि न्यायालय में बाद दायर है और उक्त कम्पनी द्वारा 15 जून 2026 से 14 अगस्त 2026 तक पोष्ट ऑफिस में रिफंड जमा करने का आदेश हुआ है लेकिन निवेशक एजेंट के घर आकर लड़ाई झगड़ा पर आमादा हो जाते हैं ।निवेशको से परेशान सुनील झाँ ने गुरुवार को उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार यादव को एक पत्र देकर पुलिस सुरक्षा मुहैया कराए जाने की मांग की है।

तारीख से लौट रही महिला ने लगाया ट्रेफिक पुलिस कर्मी पति पर हमला करने का आरोप

-पीड़ित महिला ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच एक महिला ने अपने ट्रैफिक पुलिसकर्मी पति पर हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। गुरुवार को पीड़ित महिला ने क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद को शिकायती पत्र देकर पूरे मामले की जानकारी देकर सुरक्षा के साथ कानूनी कार्रवाई की मांग की ।पीड़िता ने बताया कि वह कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम सुनाया की निवासी है ।उसने अपने शिकायती पत्र में बताया कि वह भरण-पोषण से जुड़े एक मामले में अदालत में तारीख पर गई थी। सुनवाई के बाद जब वह बाइक से वापस घर लौट रही थी तभी उसके पति ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। महिला का आरोप है कि पनयारा-पड़री मार्ग पर आरोपी ने उसकी बाइक में लात मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गई और उसे चोटें आईं।

महिला का यह भी आरोप है कि गिरने के बाद आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह वहां से निकलने के बाद उसने तत्काल 112 पर सूचना दी और थाना कोंच पहुंचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई ।पीड़िता ने सीओ से मांग की है कि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ।उसने आशंका जताई कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो उसके साथ कोई गंभीर घटना घट सकती है ।मामले में क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने पीड़िता को आश्वस्त किया कि शिकायत की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी ।पुलिस पूरे प्रकरण की गहनता से जांच कर रही है।

एसडीएम विनय कुमार ने अधिशासी अधिकारी का संभाला कार्यभार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे के निर्देशन में उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने गुरुवार को नगर पालिका परिषद कालपी के अधिशासी अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही उन्होंने नगर क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए।

विदित हो कि नगर पालिका परिषद कालपी के अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला के स्थानांतरण के बाद 10 जून को उनके गाजियाबाद कार्यमुक्त होने से यह पद रिक्त चल रहा था। इस दौरान कुछ समय के लिए तत्कालीन एसडीएम अमित शेखर ने कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। बाद में उनके सीतापुर स्थानांतरण के उपरांत नगर पालिका में अधिशासी अधिकारी का पद दो सप्ताह से खाली था। एसडीएम कालपी विनय कुमार मौर्य को अधिशासी अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार मिलने से नगर पालिका के लंबित कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि नगर की साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण प्राथमिकता से कराया जायेगा।

आम रास्ते पर चबूतरा बनाए जाने से ग्रामीणों को निकलने में दिक्कत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। आम रास्ते पर चबूतरा बनाए जाने से ग्रामीणों को निकलने में दिक्कत हो रही है। चार पहिया वाहन और कृषि उपकरण भी नहीं निकाल पा रहे हैं। ग्रामीणों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर आम रास्ता खुलवाए जाने की मांग की है।

तहसील क्षेत्र के ग्राम मकरंदपुरा निवासी धनंजय कुमार, साकेत, सौरभ आदि ने एसडीएम राकेश सोनी को शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव की ओर जाने वाले रास्ते में गांव के ही एक व्यक्ति ने अवैध रूप से अतिक्रमण कर चबूतरा बना लिया है। आम रास्ते पर चबूतरा बनाए जाने से ग्रामीणों को दिक्कत हो रही है। जो किसान अपने कृषि उपकरण इस रास्ते से निकालते हैं, उन्हें भी परेशान होना पड़ रहा है। चार पहिया वाहन ट्रैक्टर आदि नहीं निकल पा रहे हैं। जब विपक्षी को अतिक्रमण हटाने के लिए कहा जाता है तो वह झगड़े पर आमादा हो जाते हैं। ग्रामीणों ने एसडीएम से मामले की जांच कराकर अवैध चबूतरा हटवाने की मांग की है।

15 क्वार्टर अवैध देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। क्षेत्राधिकारी राजेश कमल के निर्देश पर इलाकाई पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक युवक को 15 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना आटा के उपनिरीक्षक रामसजीवन वर्मा, चौकी प्रभारी संकट मोचन, सिपाही अनुराग यादव के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान नवीन गल्ला मंडी गेट नंबर-1 के पास मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मंडी परिसर में बने शौचालय के पीछे काली पॉलीथिन में अवैध देशी शराब लेकर खड़ा है तथा कहीं जाने की फिराक में है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी रंजीत कुशवाहा उर्फ पर्वत पुत्र स्व. फूल सिंह कुशवाहा निवासी ग्राम कोहना बताया। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके कब्जे से काली पॉलीथिन में रखे 15 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद किये। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की है।

वाहन चेकिंग कर कि राजस्व वसूली कांटे चालान

पैदल गस्त कर जनमानस को कराया सुरक्षा का एहसास

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ जालौन पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह के दिशा निर्देश अनुसार कोतवाली माधौगढ़ प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में बंगरा भिण्ड माधौगढ तेराहे पर नवातुक चौकी प्रभारी बांगरा अरुण कुमार सिह ने वाहन चेकिंग अभियान एवं पैदल गस्त का जनमानस को कराया सुरक्षा का एहसास वाहन चैकिग के दौरान टू व्हीलर फोर व्हीलर ओवरलोड वाहनों व बिना सीट बेल्ट दस्तावेज बिना हेलमेट बालो के काटे चालान वाहन चालकों को सख्त हिदायत देते हुए कहाँ कि जिन व्यक्तियों के पास दस्तावेज हेलमेट सीट बेल्ट नहीं मिलेंगे उन सभी वाहनो के चालान काटे जाएंगे होगी कार्यवाई क्षेत्र वासियों नगर वासियों का कहना है कि जब से चौकी प्रभारी अरुण कुमार सिह बंगरा चौकी का कार्यभार संभाला तब से क्षेत्र में शांति का माहौल बना हुआ है चौकी प्रभारी अरुण कुमार ने गस्त के दौरान सख्त हिदायत देते हुये कहाँ कि अब गुन्डे मवालियो मनचलो कि खैर नहीं या तो अपना रास्ता बदल दे या जगह छोड़ दें नहीं तो बक्शा नही जायेगा क्षेत्र में गलत काम कराने बालो के ऊपर चलेगा कानूनी हंटर जिस किसी व्यक्ति को कंप्लेंट या रिपोर्ट दर्ज करानी है तो बेझिझक मुझसे संपर्क करें हमारे दरवाजे सदा आप लोगो के लिये खुले रहेंगे जांच पड़ताल के बाद जो भी दोषी पाया जाऐगा उसके ऊपर होगी कानूनी कार्यवाई भेजा जाऐगा जेल मिलेगा न्याय मौके पर पुलिस स्टाफ मोजूद रहे

गुरूवार को साप्ताहिक बंदी कि जाय-दुकानदार

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ जालौन नगर पंचायत माधौगढ दूकानदारो का कहना है कि गुरूवार के दिन संपूर्ण दूकाने बन्द कि जाये जिससे दूकान का समान लेने जाने मे आसानी होगी लेबर को छुट्टी रहेगी तो लेवर घर का काम निपटा लेगा दूकानदारो ने प्रेस कांफ्रेंस के जरिए जानकारी दी की सभी जगह साप्ताहिक बन्दी रहती है जैसे जालौन कोच कालपी मे सभी बजार कि बंन्दी रहती है ऐसे ही बन्दी माधौगढ़ बजार कि जाये बाजार कि बदहाल जिंदगी दुकानदार के पास पर्याप्त जगह होने के बाद भी अतिक्रमण किये हुये है दुकानदार दुकान की बाहार टेबल डाले बैठे राहते है ग्राहकों की गाड़ी खड़ी रखते जिससे ग्राहकों को अशुब्दा हो रही है ग्राहकों को निकालने में कई बार तो आमने-सामने गाड़ियां भी लड़ जाती है बाद लड़ाई होती रहती है इसलिए बजार का अतिक्रमण हटाया जाए दुकानदारों कहना है कि कई बार हमने नगर पंचायत तहसील में भी शिकायत कि पर अभी तक माधौगढ़ बाजार में ना कोई अधिकारी अतिक्रमण हटाने आया ना दुकान बंदी करने के लिए आया इसलिए सभी दुकानदारों कहना है कि गुरुवार के दिन संपूर्ण रूप से बंदी की जाएमौके पर दूकानदार मौजूद रहे

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शिष्यो ने गुरुओं का किया सम्मान

गुरू शिष्य का मिलन एव विशाल भंडारा

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ जालौन गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पंकज कुमार ग्राम मिहौनी ने गुरुओं को फूल माला तिलक रोरी लगाकर वस्त्र फल मिठाई मुद्रा देकर सम्मानित किया गुरू के पैर छूकर टेका माथा लिया आशीर्वाद गुरू संत महात्माओं ने अपने शिष्यों को आशीर्वाद देकर कहाँ की गुरुपूर्णिमा साल मे एक बार आती है इस गुरूपूर्णिमा के दिन गुरू शिष्य् का मिलन होता है पंकज कुमार ने बजरंगबली स्थान पर गुरुओं का किया सम्मान संत महात्माओं को भंडारा प्रसादी खिलाई दान दक्षिणा देकर किया विदा संत महात्माओं गुरू ने बताया कि पंकज कुमार शील स्वभाव नेक दिल इंसान है जो गरीब आशाएं मजबूर मजदूर मजलूम लोगों की मदद करते आ रहे पुन्यधर्म के कार्य में कई पीछे मुड़कर नहीं देखते शिष्य पंकज कुमार मिहौनी ने जानकारी देते हुये बताया कि बिना गुरू के ज्ञान नही मिलता ना मिलती कोई सीख इसलिए सभी सनातन धर्म को मानने वाले अपने गुरुओं को कभी निराश ना करें गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरुओं से मिले उनका आशीर्वाद ले संत महात्मा गुरुओं की सेवा करने से मोक्ष यश धन कीर्ति का लाभ मिलता है गुरुओं की सेवा करना हमारा धर्म एवं कर्तव्य है इसलिए हम सभी को गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुओं से मिले और आशीर्वाद ले मौके पर श्रद्धालु पवन कुमार कोटेदार प्रेम सिंह कुशवाहा भामर सिंह रामपुरा विजय सिह नीरज कुमार आदि ग्रामवासी क्षेत्रवासी मौजूद रहे बजरंगबली मन्दिर स्थान पर विशाल भंडारा समस्त भक्तो ने प्रसादी ग्रहण की

उरई कोतवाली पुलिस का गुड वर्क

50 हजार के इनामी अपहरण-हत्या कांड का खुलासा: प्रेम संबंध और 5 करोड़ की जमीन बनी कत्ल की वजह पति-पत्नी गिरफ्तार

-चार माह बाद उरई पुलिस की बड़ी सफलता, जंगल से बरामद हुई जली हड्डियां, दो आरोपी अब भी फरार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। चार माह पहले हुए चर्चित बिजेंद्र मोर अपहरण एवं हत्याकांड का आखिरकार कोतवाली उरई पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया। पुलिस ने 50-50 हजार रुपये के इनामी हरियाणा निवासी मोहित मलिक और उसकी पत्नी सपना रानी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जांच में सामने आया कि प्रेम संबंध, पूर्व वैवाहिक विवाद और करीब पांच करोड़ रुपये की जमीन के लेन-देन को लेकर रची गई साजिश ने बिजेंद्र मोर की जान ले ली।पुलिस के मुताबिक 4 मई 2026 को हरियाणा के जींद निवासी बिजेंद्र मोर का उरई कोतवाली क्षेत्र से अपहरण किया गया था। आरोपियों ने पहले उसका अपहरण किया, फिर हत्या कर शव को हमीरपुर जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के जंगल में ले जाकर डीजल डालकर जला दिया, ताकि पहचान मिटाई जा सके। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मृतक की पूर्व पत्नी सपना रानी ने बिजेंद्र मोर को छोड़कर मोहित मलिक से विवाह कर लिया था। इसी दौरान बिजेंद्र मोर और आजाद संपन्न नामक व्यक्ति के बीच लगभग पांच करोड़ रुपये की जमीन का सौदा हुआ था। पुलिस के अनुसार इसी रकम और पुराने विवाद को लेकर बिजेंद्र मोर पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। जब वह नहीं माना तो साजिश रचकर उसका अपहरण कर हत्या कर दी गई।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर जंगल से जले हुए शव की हड्डियों के अवशेष तथा शव पर लिपटी चादर का टुकड़ा बरामद किया है। मामले में पहले चार आरोपियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इनमें से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।पुलिस ने बताया कि इस हत्याकांड की जांच में कई राज्यों में छानबीन की गई। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली। गिरफ्तार आरोपी मोहित मलिक के खिलाफ पूर्व से भी गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। जले हुए शव की हड्डियों के अवशेष।वारदात में प्रयुक्त चादर का टुकड़ा। पुलिस का दावा पुलिस का कहना है कि यह पूरी वारदात सुनियोजित साजिश के तहत अंजाम दी गई थी। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर लगातार दबिश दी जा रही है। मामले के अन्य पहलुओं की भी गहनता से जांच जारी है।

खेत के बीच जेसीबी से चकरोड डालने पर मचा बवाल

- पीड़ितों का फूटा गुस्सा, कैमरे पर लगाई न्याय की गुहार; पुलिस ने पहुंचकर शुरू की जांच

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। थाना आटा क्षेत्र के ग्राम अटरिया में खेत के बीच कथित रूप से जबरन चकरोड निकाले जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पीड़ित अनन्तराम पुत्र भुलई एवं हामीद पुत्र मेंहदी हसन ने पुलिस और उपजिलाधिकारी उरई को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि बिना किसी सक्षम आदेश के उनके खेतों में जेसीबी चलाकर चकरोड डाला जा रहा है। शिकायत में ग्राम प्रधान प्रशासक धीरज बाल्मीकि, उसके भाई रमेश तथा अन्य लोगों पर जबरन खुदाई कराने, धमकी देने और दबाव बनाने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार अनन्तराम की गाटा संख्या 1085/1 एवं हामीद की गाटा संख्या 1085/3 में जेसीबी से खेत के बीच खुदाई कर रास्ता बनाया जा रहा है। पीड़ितों का कहना है कि विरोध करने पर अनन्तराम की पत्नी आशा देवी को कथित रूप से जान से मारने की धमकी दी गई और उनके बेटे रवि को फर्जी मुकदमे में फंसाने की बात कही गई। सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल स्थिति को शांत कराया, लेकिन अगले दिन फिर खुदाई शुरू होने का आरोप लगाया गया।

विवाद बढ़ता देख पुलिस दोबारा मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से बातचीत की। फिलहाल पुलिस एवं संबंधित राजस्व विभाग पूरे मामले की जांच में जुटे हैं। प्रशासन की ओर से अभी तक कोई अंतिम आधिकारिक निष्कर्ष जारी नहीं किया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर पत्रकार भी मौके पर पहुंचे, जहां पीड़ित परिवार और कई ग्रामीण महिलाओं ने कैमरे के सामने अपनी पीड़ा बयां की। पीड़ितों ने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे कठोर कदम उठाने को मजबूर हो सकते हैं। वहीं दूसरे पक्ष ने भी अपना पक्ष रखा और अपने दावे प्रस्तुत किए। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं।अब सवाल यह है कि यदि खेत के बीच चकरोड बनाया जा रहा था तो क्या उसके लिए सक्षम राजस्व अधिकारी की अनुमति थी? यदि अनुमति थी तो किसानों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई? यदि अनुमति नहीं थी तो जेसीबी किसके आदेश पर चली? शिकायत के बाद भी दोबारा खुदाई कैसे शुरू हो गई? क्या प्रशासन निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाएगा और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई करेगा।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से प्रशिक्षक पद के लिए आवेदन आमंत्रित, 1.50 लाख रुपये मिलेगा मासिक मानदेय

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला क्रीड़ाधिकारी शैलेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से प्रशिक्षक के रूप में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रदेश के 34 आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में 16 खेलों के उत्कृष्ट प्रशिक्षण के लिए 40 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की प्रशिक्षक के रूप में तैनाती की जानी है। चयनित प्रशिक्षकों को 1.50 लाख रुपये प्रतिमाह मानदेय प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हॉकी, तैराकी, वॉलीबाल, जिम्नास्टिक, एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, कबड्डी, कुश्ती, बॉक्सिंग, हैंडबॉल, जूडो एवं तीरंदाजी खेलों के लिए प्रशिक्षकों का चयन किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी जिला खेल कार्यालय उरई-जालौन से आवेदन प्रार्थना पत्र का प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक होना आवश्यक है। खेल योग्यता के अंतर्गत चार वर्षों के अंतराल पर आयोजित होने वाले ओलंपिक गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स, वर्ल्ड कप अथवा वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में प्रतिभाग करने का प्रमाण पत्र होना चाहिए। इसके अलावा पद्मश्री, खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार अथवा ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ी भी आवेदन कर सकते हैं। जिला क्रीड़ाधिकारी ने इच्छुक अभ्यर्थियों से 12 अगस्त 2026 तक आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय कार्यदिवस में जिला खेल कार्यालय उरई-जालौन से संपर्क किया जा सकता है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा: कोंच के दो पशु व्यापारी सगे भाइयों की मौत, चालक गंभीर घायल

(यंग भारत न्यूज)

उरई । बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में जालौन जनपद के कोंच निवासी दो पशु व्यापारियों की मौत हो गई, जबकि पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा औरैया जिले के कुठौंद थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 232.2 पर हुआ। प्रारंभिक जांच में चालक को झपकी आने से दुर्घटना होने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, ललितपुर जिले के जखौरा थाना क्षेत्र के अंधेर गांव निवासी शेर सिंह (30) पुत्र संजय पिकअप वाहन (UP94 AT 1991) से एक भैंस और उसके बच्चे को लेकर इटावा के परसुपुरा पशु बाजार जा रहा था। वाहन में कोंच कोतवाली क्षेत्र के आराजी लेन निवासी पशु व्यापारी शाहिद (35) पुत्र शरीफ तथा नासिर (30) पुत्र शरीफ भी सवार थे। बताया जा रहा है कि कुठौंद थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 232.2 के पास चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर आगे चल रहे एक अज्ञात वाहन से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायलों को जिला अस्पताल औरैया भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने शाहिद और नासिर को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल चालक शेर सिंह का उपचार जारी है। उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। हादसे की सूचना पर कुठौंद थाना प्रभारी निरीक्षक जगदंबा प्रसाद दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ वरिष्ठ उपनिरीक्षक शीलवंत सिंह, उपनिरीक्षक हरविंद्र प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाकर एक्सप्रेसवे पर यातायात सुचारु कराया तथा दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

मूंग क्रय केन्द्रों की समीक्षा में डीएम सख्त, किसानों को हर हाल में मिले सुविधा

-25 एफपीओ के लिए प्रस्तावित नए मूंग क्रय केन्द्र तत्काल खोलने के निर्देश, लापरवाही पर अधिकारियों को लगाई फटकार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में मूंग क्रय केन्द्रों की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में संचालित सभी मूंग क्रय केन्द्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुचारु एवं समयबद्ध ढंग से संचालित की जाए। बैठक में बताया गया कि जनपद में वर्तमान में 16 मूंग क्रय केन्द्र संचालित हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी केन्द्रों पर किसानों के बैठने, पेयजल, तौल, भुगतान एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। समीक्षा के दौरान 25 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए नए मूंग क्रय केन्द्र खोले जाने के प्रस्तावों पर अपेक्षित कार्रवाई न होने का मामला सामने आया। इस पर जिलाधिकारी ने उद्यान अधिकारी एवं एआर कोऑपरेटिव को कड़ी फटकार लगाते हुए नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी लंबित औपचारिकताओं को आज ही पूर्ण कर प्रस्तावित मूंग क्रय केन्द्र तत्काल संचालित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक किसानों को अपने निकट ही उपज विक्रय की सुविधा उपलब्ध हो सके।जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों के हितों से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप मूंग खरीद अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए प्रत्येक पात्र किसान को समय पर लाभ उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, उप कृषि निदेशक एसके उत्तम, एआर कोऑपरेटिव शिव कुमार, उधान अधिकारी परवेज खान आदि अधिकारी मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम का किया अवलोकन, निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं सुरक्षा सुनिश्चित रखने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जनपद मुख्यालय स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस (प्रथम एवं द्वितीय) का प्रस्तावित मासिक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा, अभिलेखों के संधारण तथा निर्वाचन सामग्री के सुरक्षित रख-रखाव की व्यवस्थाओं का गहनता से परीक्षण किया गया। निरीक्षण उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम लॉग-बुक का अवलोकन करते हुए अपनी निरीक्षण टिप्पणी भी अंकित की। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कक्ष में स्थापित सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम का निरीक्षण कर वेयरहाउस की चौबीसों घंटे निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया तथा सुरक्षा व्यवस्था को निरंतर प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तलहा मज़हर, ईवीएम सहायक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम पाल मड़ैया में जलभराव से ग्रामीण परेशान

नाली निकलवाने की डीएम से लगाई गुहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम पाल मड़ैया के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कई वर्षों से जलभराव और गंदगी की समस्या बनी हुई है, जिसके कारण स्कूली बच्चों सहित ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्राम के निवासी नंदकिशोर, मुलायम, आनंद कुमार, मोहित सिंह, अजीत यादव, अखिलेश कुमार, श्याम जी, धीरज सिंह, सुनील कुमार, अरविंद तिवारी, गोविंद सिंह, शिवपाल, श्री बाबू आदि ने बताया कि गांव में जल निकासी के लिए गाटा संख्या 760 में नाली दर्ज है, लेकिन आरोप है कि गाटा संख्या 761 निवासी राजेंद्र सिंह द्वारा नाली को काटकर तथा गाटा संख्या 759 निवासी श्री शंकर द्वारा नाली को तोड़कर अपने खेत में मिला लिया गया है। इसके चलते गांव में पानी का भराव हो गया है और ग्रामीणों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि जलभराव की समस्या के निदान के लिए गाटा संख्या 760 में दर्ज नाली को मौके पर निकलवा कर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए, ताकि गांव के लोगों को जलभराव और गंदगी से राहत मिल सके।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश, शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस, विद्युत, पेयजल, आवास, पेंशन, स्वास्थ्य, राशन कार्ड तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रत्येक अधिकारी शिकायतों का निस्तारण पूरी पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन प्रकरणों का मौके पर समाधान संभव है, उनका तत्काल निस्तारण कराया जाए तथा जटिल मामलों में स्वयं स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्ष जांच के उपरांत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता को निस्तारण की जानकारी समय से उपलब्ध कराई जाए।

मूंग खरीद केंद्र तत्काल संचालित कराने की मांग

- किसानों को उचित मूल्य दिलाने की उठी आवाज
- शिवसेना ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर किया प्रदर्शन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। किसानों के हित में शिवसेना जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार आर्य एवं झांसी मंडल प्रभारी मिथलेश कुमार के नेतृत्व में अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन भेंट करते हुए बताया कि जनपद में मूंग खरीद केंद्र (कांटा) शीघ्र संचालित कराए जाये।

ज्ञापन में कहा गया है कि मूंग खरीद केंद्र संचालित करने के लिए आवश्यक स्वीकृति एवं आदेश शासन स्तर से जारी होने के बावजूद जनपद में अब तक खरीद केंद्र शुरू नहीं हो सके हैं। किसानों द्वारा जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों से कई बार अनुरोध किए जाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इसके चलते किसानों को अपनी मूंग की उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शिवसेना जिला अध्यक्ष ने जिलाधिकारी से किसानों के व्यापक हित एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए मामले का शीघ्र संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की है, ताकि मूंग खरीद केंद्र तत्काल संचालित हो सकें और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर मिल सके।इस मौके पर प्रमुख रूप से पंकज कुमार, रघुवंश कुमार, सुनील कुमार, अनुज कुमार, रामबाबू निरंजन, दिलीप कुमार, मोहित कुमार, तेजराम, शैलेन्द्र सहित दर्जनों की संख्या में शिवसेना के लोग मौजूद रहे।

पत्रकार तिवारी की तीसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा कर गरीबो को खिलाया गया भोजन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के दरिद्र नारायण सेवा समिति परिसर में वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय पंडित रमेश तिवारी की तृतीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके सम्मान में गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन कराकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व पालिकाध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में माधौगढ़ विधायक मूलचन्द्र निरंजन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में विज्ञान सीरौठिया,प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार एवं पूर्व बारसंघ अध्यक्ष विनोद अग्निहोत्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने स्व. रमेश तिवारी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया।मुख्य अतिथि विधायक मूलचन्द्र निरंजन ने कहा कि स्व. रमेश तिवारी मिलनसार, निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकार थे। उन्होंने अपनी प्रभावशाली लेखनी से पत्रकारिता जगत में अपनी अच्छी पहचान बनाई थी। जनहित के गंभीर मुद्दों को बेबाकी से उठाने की उनकी शैली अधिकारियों को भी सोचने पर मजबूर कर देती थी।

पूर्व बारसंघ अध्यक्ष विनोद अग्निहोत्री ने कहा कि स्व. तिवारी केवल पत्रकार ही नहीं, बल्कि एक कुशल रंगकर्मी भी थे। उन्होंने रामलीला मंचन में निभाए गए अपने पात्रों से दर्शकों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी। जब तक नगर में रामलीला का मंचन होता रहेगा, तब तक उन्हें याद किया जाता रहेगा।श्रद्धांजलि सभा में संतोष तिवारी, सरल मोहन नगाइच,डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब तहसील अध्यक्ष अंजनी श्रीवास्तव, पीडी रिछारिया सहित कई वक्ताओं ने स्व. तिवारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर कृष्णकांत तिवारी, हरिश्चंद्र तिवारी, राघवेंद्र तिवारी, कढोरेलाल यादव बाबूजी, केशव बबेले, लकी दुबे, गीतेश शर्मा, प्रभुदयाल गौतम, अखिलेश बबेले,सपा नगर अध्यक्ष सभासद अमित यादव, रघुवीर कुशवाहा, राहुल तलवाड़, नासिर सेठ,मुहम्मद अहमद सहित बड़ी संख्या में नगरवासी,गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दरिद्र नारायण सेवा समिति के संचालक कढोरे यादव बाबूजी ने किया।

ओवरब्रिज अंडरपास की टूटी स्लैब का एडीएम की टीम ने किया निरीक्षण

-कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों से मांगा जवाब, जल्द मरम्मत कर यातायात बहाल करने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। कालपी नगर स्थित फुलपावर चौराहे के हाईवे ओवरब्रिज अंडरपास में छत की स्लैब गिरने की घटना को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेमचंद मौर्य के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति ने मौके का निरीक्षण किया। टीम ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों एवं इंजीनियरों से जवाब-तलब करते हुए क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत शीघ्र पूरी कर यातायात सुचारु करने के निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि फुलपावर चौराहे स्थित अंडरपास की छत की स्लैब एक माह के भीतर दो बार गिर चुकी है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेमचंद मौर्य के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेमचंद मौर्य के साथ उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य, तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी तथा लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता महेंद्र कुमार मौजूद रहे। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग की कार्यदायी संस्था के मुख्य प्रबंधक उत्तम सिंह एवं इंजीनियर इरफान सिद्दीकी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।जांच समिति ने इंजीनियरों से पूछा कि क्षतिग्रस्त स्लैब की मरम्मत कब तक पूरी होगी। इस पर मुख्य प्रबंधक उत्तम सिंह ने बताया कि चार से पांच दिनों के भीतर मरम्मत कार्य पूरा कर अंडरपास को पुनः सुचारु रूप से यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

जांच टीम ने यह भी सवाल उठाया कि मात्र पांच वर्ष पुराने अंडरपास की छत आखिर कैसे क्षतिग्रस्त हो गई। इस पर कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों ने बताया कि निर्माण कार्य पूर्व की कार्यदायी संस्था द्वारा कराया गया था। समिति ने निर्देश दिए कि मरम्मत कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा अन्य अंडरपासों की भी तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

राजकीय सस्ते गल्ले की दुकानों का निरीक्षण कर ई-केवाईसी शत-प्रतिशत कराने के निर्देश दिये

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। उपभोक्ताओं को नियमानुसार सरकारी खाद्यान्न वितरण की हकीकत परखने के लिए जिला पूर्ति अधिकारी राजीव शुक्ला के निर्देश पर पूर्ति निरीक्षक प्रफुल मिश्रा के नेतृत्व में राजकीय सस्ते गल्ले की दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कोटेदारों को उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी शत-प्रतिशत कराने तथा निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पूर्ति निरीक्षक प्रफुल मिश्रा ने तहसील क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों की कई उचित दर की दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान चमारी गांव में जवाहर लाल, चुरखी में संतोष कुमार, उरकरा कला में उषा श्रीवास, हिम्मतपुर में अजय सिंह, देवकली में चंद्रभानु तथा कालपी नगर में प्रदीप कुमार, अशोक पुरवार, संदीप मिश्रा, आशा देवी एवं चंद्रप्रकाश विश्नोई की दुकानों का निरीक्षण किया गया। पूर्ति निरीक्षक ने सरकारी खाद्यान्न के स्टॉक का मिलान किया गया तथा वितरण व्यवस्था की जांच की गई। पूर्ति निरीक्षक ने प्रत्येक दुकान पर ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी पात्र उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कोटेदारों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न का पारदर्शी एवं नियमानुसार वितरण करने तथा दुकान परिसर में साफ-सफाई एवं व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

जय बाबा वैद्यनाथ अमरदानी ग्रुप के तत्वावधान में नगर में कांवड़ यात्रा निकाली गई

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। सावन माह के पावन अवसर पर जय बाबा वैद्यनाथ अमरदानी ग्रुप के तत्वावधान में नगर में कांवड़ यात्रा निकाली गई। भगवान भोलेनाथ के जयघोष, डमरू की धुन और 'हर-हर महादेव' व 'बोल बम' के जयघोष से पूरा नगर शिवमय हो उठा।

कांवड़ यात्रा का शुभारंभ नगर के बड़ी माता मंदिर परिसर से विधि-विधान के साथ किया गया। यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व भगवान शिव का पूजन-अर्चन, रुद्राभिषेक एवं आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालु कंधों पर कांवड़ लेकर भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। यात्रा बड़ी माता मंदिर से छोटी माता मंदिर, सब्जी मंडी, तहसील रोड, कांजी हाउस, देवनगर चौराहा होते हुए पेट्रोल टैंक स्थित हनुमानजी मंदिर पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। शिवभक्त भजनों की धुन पर नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे, जबकि डीजे पर बज रहे शिव भक्ति गीतों से वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। नगर के विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कई स्थानों पर शीतल पेयजल, फल, शरबत एवं फलाहार की व्यवस्था की गई। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भी सड़कों के किनारे खड़े होकर श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। यात्रा में दीपू पुरवार, बालमुकुंद चौरसिया, मनीष धूसर, पवन कुमार आदि शिवभक्त शामिल रहे

उरई में तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, एक युवक गंभीर घायल, दूसरे चालक की भीड़ ने की पिटाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उरई शहर में बुधवार रात शहीद भगत सिंह चौराहे पर दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल की हालत देखकर आक्रोशित लोगों ने दूसरी बाइक चला रहे युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों बाइकें तेज गति से आ रही थीं। चौराहे के पास दोनों के बीच भीषण टक्कर हुई, जिससे एक बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौजूद लोगों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने दूसरे बाइक चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही उरई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने मारपीट कर रहे लोगों को हटाकर यातायात व्यवस्था भी सामान्य कराई। पुलिस का कहना है कि सड़क दुर्घटना और मारपीट दोनों मामलों की जांच की जा रही है। वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट में शामिल लोगों की पहचान कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं दुर्घटना के कारणों की भी जांच की जा रही है।

अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला समेत चार लोग घायल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला समेत चार लोग घायल हो गए। हरदोई जालौन मार्ग पर लौना के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें तीन युवक घायल हुए। वहीं बंगरा मार्ग पर सड़क हादसे में एक महिला घायल हुई।

बुधवार को शाम कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला घुआताल निवासी विश्वास द्विवेदी (22), मोहल्ला बापूसाहब निवासी पृथ्वीराज (24) व माधौगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चाकी निवासी अयान (21) बाइक से हरदोई गूजर मार्ग होकर जालौन की ओर आ रहे थे। जब वह इस रोड पर ग्राम लौना के पास पहुंचे तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने बेकाबू होकर उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों बाइक सवार बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। मौके से निकल रहे राहगीरों ने तीनों घायल युवकों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक डॉ. योगेश आर्या ने घायलों का उपचार किया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उधर, कोतवाली माधौगढ़ क्षेत्र के ग्राम मिर्जापुर निवासी महेश कुमार अपनी पत्नी रामजानकी के साथ गुरूवार की सुबह जालौन आ रहे थे। जब वह बाइक से बंगरा मार्ग पर कमसेरा के पास पहुंचे तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक के चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर बैठी रामजानकी बाइक से गिरकर घायल हो गई। ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के कारण 45 वर्षीय राम जानकी सड़क पर गिर कर घायल हो गयी। घायल महिला को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे उच्च संस्थान रेफर कर दिया

नोटिस तामील कराने जा रहे तहसील कर्मचारी पर किया ईट से प्रहार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नोटिस तामील कराने जा रहे तहसील कर्मचारी के साथ एक युवक ने अभद्रता करते हुए उसके सिर पर ईंट से प्रहार कर दिया। हमले में तहसील कर्मचारी घायल हो गया। कर्मचारी ने मामले की तहरीर कोतवाली में दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम प्रतापपुरा निवासी रामअवतार ने पुलिस को बताया कि वह तहसील में तामील अरिंदा के पद पर कार्यरत है। बृहस्पतिवार सुबह करीब 10 बजे वह नोटिस तामील कराने के लिए ग्राम टिकरी मुस्तकिल जा रहा था। तभी प्रतापपुरा के पास स्थित पेट्रोल टैंक के पास कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मुरलीमनोहर निवासी युवक दीपक ने उसे रोक लिया और उसके साथ गाली, गलौज करने लगा। जब उन्होंने गाली देने से मना किया तो उसने हाथपाई शुरू कर दी। इसी दौरान उसने पास में पड़ी ईंट से उसके सिर पर प्रहार कर दिया। ईंट से किए गए हमले में उसके सिर में चोट आई हैं। इसकी जानकारी उसने तत्काल यूपी 112 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही युवक वहां से अपनी बाइक छोड़कर भाग गया। पुलिस ने बाइक को कब्जे में ले लिया और उसे कोतवाली ले आई। पुलिस ने घायल कर्मचारी का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि तहरीर मिली है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पेवर मशीन में पीछे से आ रहे डीसीएम चालक ने टक्कर मारी, आरोपी चालक पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर मरम्मत कार्य कर लौट रही पेवर मशीन में पीछे से आ रहे डीसीएम चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में पेवर मशीन क्षतिग्रस्त हो गई है। कंपनी के कर्मचारी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी डीसीएम व उसके चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छिरिया सलेमपुर के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के आरसीसी डेवलपर्स का प्लांट लगा है। इस प्लांट की पेवर मशीन बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर मरम्मत का कार्य कर रही थी। मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद मशीन वापस लौट रही थी। तभी किमी संख्या 209 सरावन के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर के चालक ने पेवर मशीन में पीछे से टक्कर मार दी। डीसीएम की टक्कर से पेवर मशीन में करीब 15 से 18 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। कंपनी के कर्मचारी आशीष कुमार ने हादसे की तहरीर कोतवाली में दी है। कंपनी कर्मचारी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी डीसीएम व उसके चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चौराहे किनारे अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी

शिनाख्त में जुटी पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। गुरुवार की सुबह स्थानीय नगर के व्यस्त बाईपास स्थित फुल पावर चौराहे के किनारे एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह क्षेत्रीय लोगों ने सड़क किनारे शव पड़ा देखा तो मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी, टरननगंज चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ करते हुए घटनास्थल का बारीकी से जायजा लिया। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं उरई से पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी।कोतवाली पुलिस अज्ञात युवक की शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी है। साथ ही युवक की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

बीजेपी 11 से 15 अगस्त तक यूपी में चलाएगी 'हर घर तिरंगा' अभियान, नीरज सिंह को अहम जिम्मेदारी

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में इस वर्ष 15 अगस्त को आजादी का जश्न पूरे उत्साह के साथ मनाने की तैयारी कर रही है. पार्टी प्रदेश भर में 11 अगस्त से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाएगी. इस अभियान का मकसद हर घर तक तिरंगा पहुंचाना और लोगों में देशभक्ति की भावना जगाना है. संगठन ने इस अभियान के तहत प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह को अहम जिम्मेदारी दी है.

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने अभियान को सफल बनाने के लिए विशेष टोली का गठन कर दिया है. संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं. योजना के अनुसार अगस्त महीने में जगह-जगह तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी. इससे पूरे प्रदेश में देशभक्ति का माहौल बनेगा. बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने बताया कि प्रदेश मुख्यालय पर पार्टी द्वारा मिले 'हर घर तिरंगा अभियान' की मॉनिटरिंग टीम के साथ बैठक हुई. बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई. कहा कि इस बार अभियान को बूथ स्तर तक ले जाया जाएगा. कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित करेंगे और राष्ट्रभक्ति का संदेश देंगे अभियान के दौरान पार्टी स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों से संपर्क करेगी. उनके संघर्ष और बलिदान को याद किया जाएगा. इसके साथ ही शहीद वीर सैनिकों के परिजनों को सम्मानित भी किया जाएगा. पार्टी का मानना है कि नए पीढ़ी को देश के वीरों के बारे में जानना जरूरी है. प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने बताया कि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी आम जनता, व्यापारी और सरकारी संस्थानों से अपील की जाएगी कि वे अपने घर, दुकान और कार्यालयों पर तिरंगा लगाएं. स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा. नीरज सिंह ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' सिर्फ एक अभियान नहीं है, बल्कि यह एकता और गर्व का प्रतीक है.पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव और गली-गली जाकर लोगों को इस अभियान से जोड़ेंगे. प्रदेश नेतृत्व ने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि वे 11 अगस्त से पहले तैयारियां पूरी कर लें. बैनर, पोस्टर और तिरंगे की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी.पार्टी को उम्मीद है कि इस बार का अभियान पिछले सालों से भी बड़ा और सफल होगा. इस तरह यूपी में 15 अगस्त तक आजादी और शहीदों के सम्मान को केंद्र में रखकर 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाने जा रही है.

सीने पर दूसरे का नाम देख भड़का हिस्ट्रीशीटर प्रेमी'. मेरठ में सिरफिरे आशिक ने ट्यूशन से लौट रही गर्लफ्रेंड को मारी गोली.

(यंग भारत न्यूज)

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से एक बेहद सनसनीखेज और खौफनाक मामला सामने आया है, जहां एक सिरफिरे और क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले प्रेमी ने अपनी ही गर्लफ्रेंड को ताबड़तोड़ तीन गोलियां मार दीं और उसके बाद खुद भी सुसाइड कर लिया।

यह पूरी घटना कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के डिफेंस एन्क्लेव कॉलोनी में जोनल पार्क के पास हुई। इस जघन्य वारदात के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है और गंभीर रूप से घायल छात्रा की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी आदित्य (26) एक हिस्ट्रीशीटर था और उसके खिलाफ 10 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। वह महज 10 दिन पहले ही जमानत पर जेल से छूटकर बाहर आया था। मृतका अनुष्का (23) 12वीं कक्षा की छात्रा थी और उसकी मां एक सरकारी टीचर हैं। करीब 3 साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए दोनों की दोस्ती हुई थी, जो बाद में अफेयर में बदल गई। हालांकि, जब आदित्य अवैध हथियारों के मामले में जेल गया, तो अनुष्का ने उससे दूरी बना ली थी। हाल ही में जब आदित्य ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, तो उसने अनुष्का के सीने पर 'आर्यन' नाम का टैटू देख लिया, जिससे वह गुस्से से आगबबुला हो गया। घटना वाले दिन अनुष्का ट्यूशन से अपनी स्कूटी पर लौट रही थी, तभी आदित्य ने पल्सर बाइक से उसका पीछा किया और रास्ते में रोक लिया। दोनों डिफेंस एन्क्लेव के जोनल पार्क के पास पहुंचे, जहां आर्यन के नाम के टैटू को लेकर उनके बीच तीखी बहस हुई। विवाद बढ़ने पर गुस्से में आकर आदित्य ने अपनी कमर से पिस्टल निकाली और अनुष्का पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। छात्रा को सिर में एक और पेट में दो गोलियां लगीं, जिससे वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ी। घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर दौड़े। पकड़े जाने और पुलिस के डर से घबराए आरोपी आदित्य ने खुद के सीने में भी गोली मार ली, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल अनुष्का को तुरंत सुभारती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन कर उसके पेट से दो गोलियां निकाल दी हैं, लेकिन तीसरी गोली अभी भी सिर में फंसी हुई है, और उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

निर्वस्त्र हालत में हाईवे पर भागी छात्रा, आरोपी एक घंटे तक करता रहा दुष्कर्म का प्रयास, नग्न अवस्था में बना लिया वीडियो....

(यंग भारत न्यूज)

अंबाला में एक सातवीं कक्षा की छात्रा के साथ में बड़ी घटना सामने आई है। यहां स्कूल जाते समय मंगलवार सुबह सातवीं कक्षा की छात्रा को नेशनल हाईवे पर जबरदस्ती झाड़ियों में खींच लिया गया।

आरोपित बदमाश बच्ची के साथ एक घंटा दुष्कर्म का प्रयास करता रहा। नग्न अवस्था में वीडियो भी बनाया। शारीरिक रूप से बेहद कमजोर होने से चिल्लाने के बावजूद पीड़िता की आवाज हाईवे तक भी नहीं पहुंच पाई। बेबसी में उसे निर्वस्त्र अवस्था में ही भागना पड़ा। मीडिया रिपोर्टस की माने तो यह बातें बुधवार को बाल कल्याण समिति की ओर से डेढ़ घंटे की गई काउंसिलिंग में सामने आईं। पीड़िता को आठ हजार रुपये की सहायता राशि दी गई। उधर, पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। उसकी बाइक बरामद कर ली है। पुलिस ने उसकी पहचान भी कर ली है। बाल कल्याण समिति ने काउंसिलिंग के लिए बुधवार को छात्रा को बुलाया। डेढ़ घंटा हुई बातचीत में उसका दर्द फूट पड़ा और मुंह पर हाथ रख उसे जबरदस्ती झाड़ियों में खींच लिया। वह लंबाई में उससे बड़ा और उम्र करीब 21-22 साल का था। उसने जबरदस्ती उसके कपड़े उतारे और छेड़छाड़ की। एक घंटा तक आरोपित दुष्कर्म का प्रयास करता रहा। वह घबरा गई और चिल्लाने लगी तो आरोपित ने मुंह पर हाथ रखकर दबा दिया। कहा कि किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर देगा और मार देगा, वह उसे नहीं जानती। उसने ग्रे टी-शर्ट, जींस व सफेद जूते पहने थे। सांवले रंग का था। इस दौरान रोने लगी। दूसरे दिन भी डरी-सहमी दिखी। उसने बताया कि सुबह करीब आठ बजे एक स्कूल जाते समय निजी अस्पताल के पास एक व्यक्ति ने उसके आरोपित के फोन पर काल भी आई थी। वह जैसे-तैसे निर्वस्त्र अवस्था में ही हाईवे पर दौड़ पड़ी तो एक महिला ने चुन्नी दी और उसके घर पहुंचाया।

'मैं जिंदा हूं' ... अंतिम संस्कार से पहले बोली महिला,17 घंटे बाद लौटी सांस

(यंग भारत न्यूज)

आगरा के ट्रांस यमुना क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. 65 वर्षीय शीला देवी को अस्पताल में मृत घोषित किए जाने के करीब 17 घंटे बाद उनके शरीर में हलचल होने लगी.

अंतिम संस्कार की तैयारी के दौरान परिजनों ने उनकी सांसें लौटने का दावा किया, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया. परिजनों के अनुसार, शीला देवी लंबे समय से लीवर और सांस संबंधी बीमारी से जूझ रही थीं. उनका इलाज बरेली के एक निजी अस्पताल में चल रहा था, जहां बुधवार तड़के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. शाम को एंबुलेंस से उनका शव आगरा स्थित घर लाया गया और अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू कर दी गईं. इसी दौरान रात करीब आठ बजे उनके शरीर में हरकत महसूस हुई. परिवार का दावा है कि जब दामाद ने शीला देवी के पैर छुए तो उन्होंने उनका हाथ पकड़ लिया और कहा, 'मुझे कहां लेकर जा रहे हो, मैं जिंदा हूं.' यह देखकर घर में अफरा-तफरी मच गई. परिजनों ने बिना देर किए उन्हें दोबारा आगरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है. शीला देवी के परिवार और पड़ोसियों ने भी उनके होश में आने की पुष्टि का दावा किया है. फिलहाल महिला का उपचार चल रहा है. वहीं, डॉक्टरों या अस्पताल की ओर से इस पूरे मामले को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. ऐसे में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है.

यूपी वालों को मिला बड़ा तोहफा, अब गांव में ही बन जाएगा 'आधार कार्ड'

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों के लोगों को योगी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है. ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को अब आधार कार्ड बनवाने या अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर या बायोमेट्रिक जानकारी अपडेट करवाने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंचायती राज विभाग ने ग्राम पंचायतों को डिजिटल सर्विस सेंटर के तौर पर विकसित करने के लिए एक बड़ी पहल की है. इस पहल के तहत, छह ज़िलों की 110 ग्राम पंचायतों में आधार एनरोलमेंट और अपडेट सर्विस शुरू की गई हैं. इस व्यवस्था के ज़रिए अब तक 75,000 से ज़्यादा आधार सर्विस दी जा चुकी हैं. पंचायती राज विभाग के डायरेक्टर अमित कुमार सिंह ने बताया कि योगी सरकार चरणबद्ध तरीके से इस सुविधा को सभी ग्राम पंचायतों तक पहुंचाने की योजना बना रही है. इस योजना के तहत, राज्य की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों में आधार सेंटर स्थापित करने का लक्ष्य है. पहले चरण में 5,000 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है. इससे न केवल ग्रामीण निवासियों का समय और पैसा बचेगा, बल्कि ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने का एक नया ज़रिया भी बनेगा. इस योजना को तेज़ी से लागू करने के लिए पंचायत सहायकों को आधार ऑपरेटर के तौर पर ट्रेनिंग दी जा रही है. अब तक 1,200 से ज़्यादा पंचायत सहायकों को शुरुआती ट्रेनिंग मिल चुकी है, जबकि बाकी कर्मचारियों की ट्रेनिंग चल रही है. अभी 179 पंचायत सहायकों की ऑपरेटर आईडी एक्टिवेट हो चुकी हैं और 157 आधार मशीनों का एक्टिवेशन पूरा हो चुका है. नतीजतन, ग्राम पंचायत स्तर पर सर्विस का दायरा तेज़ी से बढ़ रहा है. पहले चरण में 5,000 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है. इससे न केवल ग्रामीण निवासियों का समय और पैसा बचेगा, बल्कि ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने का एक नया ज़रिया भी बनेगा. पंचायती राज डायरेक्टर के अनुसार, यह पहल सिर्फ़ आधार सर्विस तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भविष्य में ग्राम पंचायतों को डिजिटल नागरिक सेवा केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए एक मज़बूत आधार तैयार करेगी. इससे यह पक्का होगा कि सरकारी सर्विस ग्रामीण निवासियों को उनके गाँवों में ही मिलें और साथ ही ग्राम पंचायतों की आर्थिक आत्मनिर्भरता भी मज़बूत हो. विभाग ग्राम पंचायतों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. आधार सेवाओं की शुरुआत एक महत्वपूर्ण कदम है और जल्द ही इसके लाभ राज्य के हर गांव तक पहुंचेंगे.

बेटी के लिए मांगने गई इंसाफ, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने पति को बेहोश कर महिला से किया जबरन दुष्कर्म

(यंग भारत न्यूज)

बिहार के किशनगंज जिले के पौआखाली थाना क्षेत्र में पंचायत के बहाने महिला को ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। महिला ने नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अहमद हुसैन उर्फ लल्लू मुखिया पर जबरन होटल के कमरे में बंद करके मारपीट और दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़िता ने बताया कि 28 जुलाई की रात उसकी बेटी से जुड़े विवाद में पंचायत कराने के बहाने उसे, उसके पति और बेटी को एक वाहन से ले जाया गया। इसके बाद रास्ते में उसके पति को नशीला पदार्थ खिला कर बेहोश कर दिया गया। इसके बाद महिला को किशनगंज के एक होटल में ले जाकर आरोपी ने जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि पहले उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया, जिसमें सफल नहीं होने पर बेटी को दूसरे कमरे में भेज दिया गया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि घटना के दौरान विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पांच लाख रुपये का लालच देकर मामला दबाने का प्रयास किया गया। बता दें कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पूर्व भी लल्लू मुखिया पर हर्ष फायरिंग करने, वाहन से शराब बरामद होने सहित पत्रकार को धमकाने जैसे गंभीर आरोप लग चुके हैं। लेकिन हर बार वो कोर्ट से जमानत ले लेता है। महिला ने आवेदन में आरोपी पर प्रभावशाली होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह लगातार धमकी दे रहा है। पीड़िता ने पुलिस से आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने मामले में कांड संख्या 120/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस द्वारा मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि के खिलाफ काफी गुस्सा है।

राजा मर्डर केस- सोनम रघुवंशी फिर जेल गई

-शिलॉन्ग कोर्ट में सरेंडर; सुप्रीम कोर्ट बोला था- तकनीकी खामी के आधार पर जमानत देना सही नहीं

इंदौर। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी ने बुधवार को मेघालय के शिलॉन्ग कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उसे जेल भेज दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने 23 जुलाई को सोनम की जमानत रद्द करते हुए उसे तीन हफ्ते के भीतर संबंधित अदालत में सरेंडर करने का निर्देश दिया था। ये अवधि पूरी होने से पहले ही सोनम सरेंडर करने कोर्ट पहुंच गई। सोनम के सरेंडर पर राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा- मैं मेघालय सरकार को धन्यवाद देता हूं। उनकी वजह से आज हमें न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। इससे पहले 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था- हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी दिए जाने में कथित खामियों के आधार पर जमानत देकर गलती की थी। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया था कि मामले का ट्रायल 6 महीने के भीतर पूरा किया जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि अगर तय अवधि में ट्रायल पूरा नहीं होता है तो सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी के आधार की जानकारी देना अनिवार्य है, लेकिन इस मामले में गिरफ्तारी के आधार बताने में पूरी तरह नाकामी नहीं हुई थी। कोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के आधार बिल्कुल न बताना और उनमें कुछ जानकारियों का अपर्याप्त होना, दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं। इसलिए केवल तकनीकी कमी के आधार पर जमानत देना उचित नहीं था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि सोनम ने मजिस्ट्रेट के सामने गिरफ्तारी के आधार और संबंधित दस्तावेज मिलने की पुष्टि की थी। यदि गिरफ्तारी की प्रक्रिया में कोई कमी भी हो, तब भी जांच एजेंसी जरूरत पड़ने पर दोबारा गिरफ्तारी कर सकती है। जस्टिस एमएम सुंदरेशन और जस्टिस पीबी वरेले की बेंच ने कहा था कि मेरिट के आधार पर सोनम की जमानत याचिकाएं पहले ही खारिज हो चुकी हैं और मुकदमे की सुनवाई शुरू हो गई है। ऐसे में इस चरण पर आरोपी का जमानत पर बाहर रहना ट्रायल को प्रभावित कर सकता है। इन्हीं टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने हाईकोर्ट का जमानत आदेश रद्द करते हुए सोनम को तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। इस मामले में मेघालय सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा।

गुलवीर ने 10 हजार मीटर दौड़ में भारत को दिलाया पहला पदक

एथलेटिक्स में दूसरा रजत पदक

ग्लासगो

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर नया इतिहास रचा। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। एथलेटिक्स में भारत का यह दूसरा रजत पदक है। इससे पहले सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक जीता था।

बारिश और पानी से भरे ट्रैक में दौड़े गुलवीर

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर ने 'स्कॉट्सटाउन स्टेडियम' में लगातार हो रही बारिश और पानी से भरे ट्रैक जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पूरी दौड़ में अग्रणी धावकों के साथ अपनी जगह बनाए रखी। अंतिम चरण में उन्होंने जबरदस्त तेजी दिखाई और 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 27:48.93 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलार्की 27:50.28 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहे।

नहीं पड़ता मौसम का असर : गुलवीर

गुलवीर ने कहा, 'पदक जीतकर हमेशा अच्छा लगता है। दौड़ अच्छी रही, बारिश भी हुई, लेकिन जब आप पदक जीतते हैं तो बारिश हो, धूप हो, कुछ हो या कुछ और हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' उन्होंने कहा, 'मैंने सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया था। दौड़ से पहले मैंने अरविंदर सिंह से कहा था, देख लेंगे प्रभु।'

अफ्रीकी धावकों को पीछे छोड़ा

अमेरिका में लॉन्ग स्लाइट सिरास के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे गुलवीर ने मजबूत प्रतिस्पर्धा के बीच बेहतरीन रणनीति अपनाई। इस दौड़ में कीनिया के 2023 की विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता डेनियल एबेयो जैसे कई दिग्गज अफ्रीकी धावक भी शामिल थे। लगातार बारिश के बावजूद गुलवीर अधिकांश समय शीर्ष समूह के साथ बने रहे और अंतिम लैप में अपनी गति को बढ़ाकर मुकाबले को पीछे छोड़ते हुए रजत पदक पर कब्जा जमाया।

40 साल बाद विजेताओं में अफ्रीकी धावक नदारद

गुलवीर के इस प्रदर्शन के साथ एक और बड़ा इतिहास भी बना। वर्ष 1986 के बाद पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 10 हजार मीटर स्पर्धा के पदक विजेताओं में किसी भी अफ्रीकी धावक का नाम शामिल नहीं रहा। यह उपलब्धि 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अविनाश साबले द्वारा 3000 मीटर स्टीपलचेज में कीनिया के लंबे समय से चले आ रहे दबदबे को तोड़ते हुए रजत पदक जीतने की याद भी ताजा कर गई।

टेबल टेनिस: पुरुष और महिला टीम फाइनल में

नई दिल्ली (भाषा)। भारत की पुरुष और महिला टीम ने बुधवार को यहां 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अपने-अपने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने एकतरफा मुकाबले में इंग्लैंड को 3-0 से हराकर प्रतियोगिता में अपना अजेय अभियान जारी रखा। मानुष शाह ने कॉनर ग्रीन को 11-9, 11-4, 11-6 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने बायीं आंख के ऊपर 13 टांके होने के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए जोसेफ हटर को 11-8, 11-4, 11-5 से शिकस्त दी। अनुभवी हरमीत देसाई ने बेंजामिन पिलोट को 11-5, 11-5, 11-5 से हराकर भारत को 3-0 की जीत सुनिश्चित की। भारतीय पुरुष टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच गंवाए बिना फाइनल में जगह बनाई। महिला टीम को हालांकि कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उसने इंग्लैंड को 3-1 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा अकुला ने शिवुक लक जेसिका टोल को 11-6, 11-3, 11-4 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इंग्लैंड की टिन-टिन हो ने यशस्विनी घोरपड़े को 11-9, 11-6, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद सिंड्रेला दास ने ऐना ग्रीन को 11-7, 11-4, 11-9 से हराकर भारत को फिर बढ़त दिलाई। चौथे मुकाबले में श्रीजा ने टिन-टिन हो को पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-6, 5-11, 11-6, 8-11, 11-9 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के फाइनल में अब भारत का सामना मलेशिया से होगा।

पुरुष पेयर्स लॉन बॉल्स : नामीबिया को हराकर भारत ने दर्ज की दूसरी जीत

ग्लासगो (भाषा)। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल्स प्रतियोगिता में अपना शानदार अभियान जारी रखते हुए बुधवार को पुरुष पेयर्स वर्ग के सेक्शन बी के दूसरे दौर के दूसरे मैच में नामीबिया को कड़े मुकाबले में हराया। मंगलवार को कुक आइलैंड्स के खिलाफ टाईब्रेकर में मिली जीत के बाद भारत के 'लीड' नवनीत सिंह और 'स्किप' दिनेश कुमार की जोड़ी ने पिछड़ने के बावजूद संयम बनाए रखा और पहला सेट 5-3 से अपने नाम किया। नामीबिया ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन भारतीय जोड़ी ने सटीक खेल और समझदार रणनीति के दम पर लगातार पांच अंक जुटाकर मैच का रुख पलट दिया और प्रतिद्वंद्वी टीम की वापसी की उम्मीदों को झटका दिया। दूसरे सेट में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा शुरू से ही कायम रहा।

नवनीत और दिनेश कुमार की जोड़ी ने पिछड़ने के बावजूद 6-1 से जीता मुकाबला

उन्होंने शुरुआती 2-0 की बढ़त को लगातार शानदार खेल और 'जैक' पर प्रभावी नियंत्रण के दम पर 6-1 तक पहुंचा दिया। नामीबिया ने सेट के अंतिम चरण में दो अंक लेकर अंतर 3-6 कर दिया लेकिन तब तक मुकाबले का नतीजा लगभग तय हो चुका था। भारतीय जोड़ी ने अच्छाई से मैच जीतकर ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

हरजिंदर कौर ने 227 किग्रा भार उठाकर जीता सिल्वर मेडल

ग्लासगो में जारी कॉमनवेल्थ गेम्स महिला वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने धमाल मचा दिया। महिलाओं की 69 किग्रा वेट कैटेगरी में हरजिंदर ने कुल 227 किग्रा भार उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया। हरजिंदर कौर ने 69 किग्रा भार कैटेगरी के स्नैच के पहले प्रयास में 98 किग्रा उठाया, उसके बाद दूसरे प्रयास में 99 और तीसरे प्रयास में 101 किग्रा का वजन उठाया। उनके तीनों ही प्रयास सफल रहे। इसके बाद क्लीन एंड जर्क के तीन प्रयासों में 120, 123 और 126 किग्रा भार उठाया। इस तरह स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क में 126 किग्रा उठाने के साथ कुल 227 किग्रा वजन के दम पर हरजिंदर ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

खबर संक्षेप

मैं बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीः मनु

नई दिल्ली। मनु भाकर ने कहा कि शोंगझोउ में हाल ही में समाप्त हुए विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर उनकी भावनाएं मिली जुली है और वह इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। भाकर अभी भी 2026 में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की तलाश में हैं। भाकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'एक और कांस्य पदक। इस पदक को लेकर मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रदर्शन में सुधार कर पाई, लेकिन साथ ही, मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी।' मनु ने कहा, ' मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात से होती है कि मेरी मेहनत रंग ला रही है। सुधार की अभी भी बहुत गुंजाइश है, और यही बात मुझे प्रेरित करती है। एक-एक कदम आगे बढ़ना है।'

स्क्वाश चैंपियनशिपः क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया

ओंटारियो। भारतीय पुरुष और महिला टीमें क्रमशः कुवैत और दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई।

जहां भारत की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुरुष टीम को कुवैत के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करने से पहले कड़ी मेहनत करनी पड़ी, वहीं महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से आसानी से हराया। भारतीय पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगी जबकि महिला टीम का मुकाबला अमेरिका से होगा। पुरुषों के मुकाबले में युशा नफीस शुरुआती मैच में हार गए। इसके बाद अर्यवीर दीवान ने जीत हासिल करके मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। गुरबीर सिंह ने तीसरे और निर्णायक मैच में जीत हासिल करके भारत को अंतिम आठ में पहुंचाया।

टॉप 50 बल्लेबाजों में वैभव की एंट्री शुभमन फिर बने नंबर 1 बल्लेबाज

टी20 में सूर्यवंशी ने लगाई 230 पायदान की लंबी छलांग

दुबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में फिर से दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए, जबकि वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 230 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 48वें स्थान पर पहुंच गए। गिल ने वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। मिचेल इस साल जनवरी से शीर्ष स्थान पर काबिज थे।

बिश्नोई को फायदा, शीर्ष 10 में वरुण

लेग स्पिनर रवि बिश्नोई टी20 में गेंदबाजों की सूची में 31 पायदान ऊपर 4वें स्थान पर पहुंच गए, लेकिन चोटिल होने के कारण जिंबाब्वे दौरे से बाहर रहे वरुण चक्रवर्ती तीन स्थान नीचे खिसक गए लेकिन वह शीर्ष 10 में बने हुए हैं।

टी20 में टॉप पर काबिज ईशान

सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 50.33 की औसत से 151 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। अपने इस शानदार प्रदर्शन से वह 15 वर्षीय बल्लेबाज शीर्ष 50 में जगह बनाने में सफल रहा। सूर्यवंशी के 536 रेटिंग अंक हैं। ईशान किशन टी20 में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके 930 रेटिंग अंक हैं। वह दूसरे स्थान पर काबिज पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (846) पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। इस बीच तिलक वर्मा दो पायदान ऊपर छठे स्थान पर, जबकि टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सात पायदान ऊपर 24वें स्थान पर आ गए।

इंग्लैंड में 5 अगस्त से मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट सीरीज

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के वसीम सफी 5 से 19 अगस्त तक इंग्लैंड में होने वाली मिश्रित दिव्यांग टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में भारत की 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं अब्बास शिवानी को इस दौरे के लिए भारत का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जहां भारतीय टीम चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। पहले दो मैच 5 और 7 अगस्त को वर्सेस के आसनकुपा काउंटी क्लब में खेले जाएंगे, इसके बाद तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 अगस्त को लीसेस्टर में होगा। चौथा मैच 12 अगस्त को होव के काउंटी ग्राउंड में, पांचवां और छठा मैच 15 और 16 अगस्त को आरोकेन में जबकि अंतिम मैच 19 अगस्त को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

एशियाई खेल : भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, लालागे की जगह पाल शामिल

नई दिल्ली

भारत ने जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी 20 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम में केवल एक बदलाव करके आदित्य अर्जुन लालागे की जगह मिडफील्डर राज कुमार पाल को शामिल किया है।

राज कुमार को अगले महीने होने वाले विश्व कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन वह एशियाई खेलों के लिए वापसी करने में सफल रहे। लालागे नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। भारतीय टीम प्रबंधन और हॉकी इंडिया के चयनकर्ताओं ने इसके अलावा विश्व कप में खेलने वाली टीम में कोई अन्य बदलाव नहीं किया है। स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। भारत ने हरमनप्रीत की अगुवाई में ही 2024 में पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था। भारत की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाले अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह सहित कई अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है।

वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट किया अपने नाम, पाकिस्तान को हराया

तरौबा

जाडेन सील्स के 5 विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 90 रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली।

पहली पारी में 311 रन बनाने वाली वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी दूसरी पारी में 181 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 211 रन का लक्ष्य रखा लेकिन उसकी टीम केवल 120 रन पर आउट हो गई। पाकिस्तान ने पहली पारी में 282 रन बनाए थे। पाकिस्तान की दूसरी पारी में केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें कप्तान बाबर आजम ने नाबाद 58 रन बनाए।

क्रिकेट

पूर्व सहायक कोच डोशेट की केकेआर में वापसी

कोलकाता

भारतीय टीम के सहायक कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त करने के बाद रयान टेन डोएशे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ गए हैं, जहां वह क्रिकेट रणनीति प्रमुख की भूमिका निभाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुष्टि की है कि टेन डोएशे और फील्डिंग कोच टी. दिलीप का अनुबंध आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। नीदरलैंड के पूर्व बल्लेबाज टेन डोएशे अब केकेआर फ्रेंचाइजी में एक नई भूमिका में नजर आएंगे, जिसमें क्रिकेट रणनीति, प्रतिभा खोज और विश्व भर में केकेआर से जुड़ी टीमों के विकास पर निगरानी रखना शामिल है।

टेन डोएशे केकेआर फ्रेंचाइजी में खिलाड़ियों की खोज, उनके चयन, टीम योजना और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। टेन डोएशे कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स, आईएलटी20 में अबूधाबी नाइट राइडर्स और मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के सहायक कोच के रूप में भी कार्य करेंगे। टेन डोएशे 2012 और 2014 में केकेआर की आईपीएल चैंपियन बनने वाली टीम के सदस्य थे। केकेआर ने जब 2024 में तीसरा खिताब जीता था तब वह उसके कोचिंग स्टाफ के सदस्य थे।

300 मिलियन डॉलर पार करने वाली पहली टीम बनी आरसीबी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के ब्रांड मूल्य वाली दुनिया की पहली क्रिकेट टीम बन गई है, जबकि आईपीएल का पारिस्थितिकी तंत्र मूल्य बढ़कर 21.6 बिलियन डॉलर हो गया है। वैश्विक निवेश बैंक हाउलिहान लोके ने अपनी एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। बैंक की 2026 'ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट' में कहा गया है कि आईपीएल का मूल्य 11.4 प्रतिशत बढ़कर 21.6 बिलियन डॉलर हो गया है। आरसीबी ने 312 मिलियन डॉलर के मूल्य के साथ आईपीएल फ्रेंचाइजी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। मुंबई इंडियंस 264 मिलियन डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ दूसरे स्थान पर है।

जॉर्ज और मन्नेपल्ली की दूसरे दौर में एंट्री

ताइपे ओपन : सीधे गेमों में जीते प्रणय और उन्नति, अगल दौर में प्रवेश

ताइपे सिटी

अनुभवी शटलर एचएस प्रणय और उन्नति हुडा ने सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के मिनोरु कोगा को 21-11 21-14 से हराया।

अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा, जिन्होंने एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मिथुन मंजूनाथ को 21-18 21-4 से हराया। पुरुष एकल में किरण जॉर्ज और थरुन मन्नेपल्ली भी दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। जॉर्ज ने चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-10 21-18 से जबकि मन्नेपल्ली ने कोरिया के आठवें वरीय जियोन ह्योक जिन को 21-12 21-15 से हराया। जॉर्ज और मन्नेपल्ली अगले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगे। पुरुष एकल क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले रौनक चौहान इंडोनेशिया के रिची दुता रिचार्डो से 14-21 16-21 से हार गए।

उन्नति ने की अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत

महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त उन्नति ने अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए ताइपे की पेई यू वांग को 21-12, 21-18 से हराया। अब उनका मुकाबला हमवतन तन्वी हेमंत से होगा, जिन्होंने ताइपे की ही येन ची यू को कड़े मुकाबले में 21-16, 14-21, 21-16 से पराजित किया। भारत की अन्य खिलाड़ियों में आठवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब महिला एकल के अगले दौर में पहुंच गईं।

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को दी मात

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को 14-21 21-7 21-15 से, तन्वी ने हमवतन तसनीम मीर को 21-16 22-20 से और अनमोल ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 21-15 11-21 21-19 से हराया। देविका का अगला मुकाबला इंडोनेशिया की कडेक दिवा उमर्य प्रतिवी से होगा। तन्वी का मुकाबला अब इंडोनेशिया की थालिता रमाधानी विरयावान से होगा, जबकि अनमोल का सामना चीनी ताइपे की दूसरी वरीयता प्राप्त लिन्यांग टी लिन से होगा। भारत की एक अन्य खिलाड़ी श्रीयांशी वालीशेट्टी को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपनिडा काटेथोंग से 11-21 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

बरसात के दिनों में खान-पान में की गई जरा-सी लापरवाही आपके स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। इसलिए इस मौसम में अपनी डाइट में पौष्टिक, संतुलित और स्वच्छ खाद्य पदार्थों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

रेनी सीजन के लिए कैसा हो डाइट प्लान

डाइट सजेशन
शिखर चंद जैन

मानसून या बरसात का मौसम गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियां और स्वास्थ्य चुनौतियां भी लेकर आता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में शरीर की जठराग्नि कमजोर हो जाती है, जिससे पाचन तंत्र संवेदनशील हो जाता है। इसलिए डाइट को लेकर सजग रहना जरूरी है।

दिन की शुरुआत: विशेषज्ञों के अनुसार, बरसात के मौसम में सुबह की शुरुआत चाय या कॉफी के बजाय गुनगुने पानी, नींबू पानी या हर्बल काढ़े से करनी चाहिए। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, अदरक, तुलसी, काली मिर्च और दालचीनी से बना काढ़ा एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होता है। यह आपके श्वसन तंत्र को साफ रखता है और मौसमी फ्लू से बचाता है। अदरक में मौजूद 'जिंजरोल' नामक तत्व सूजन और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

उबला पानी ही पिएं: बरसात के दिनों में सबसे ज्यादा बीमारियां दूषित पानी के कारण होती हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार, इस मौसम में पानी को कम से कम 10 मिनट तक उबालकर और ठंडा करके ही पीना चाहिए। उबलने से पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। लोग अक्सर इस मौसम में प्यास कम लगने के कारण कम पानी पीते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास उबला हुआ पानी जरूर पिएं ताकि टॉक्सिंस बाहर निकल सकें।

सुपाच्य-गर्म नाश्ता: मानसून में सुबह का नाश्ता हल्का, सुपाच्य और ताजा होना चाहिए। शोध बताते हैं कि ठंडा या रखा हुआ खाना बैक्टीरिया के पनपने का मुख्य केंद्र होता है। अपने नाश्ते में दलिया, ओट्स, पोहा या सूजी का उपमा शामिल करें। इनमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पेट को साफ रखती है। इसमें थोड़ी-सी हल्दी और राई का तड़का लगाएं, जो अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जाने जाते हैं।

मौसमी फल: फलों का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन बरसात में फल चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, तरबूज या खरबूजा जैसे अत्यधिक पानी वाले फलों से इस मौसम में बचना चाहिए, क्योंकि ये जल्दी खराब होते हैं। इसके बजाय सेब, नाशपाती, अनार, पपीता और जामुन जैसे फलों को प्राथमिकता दें। जामुन में एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं और यह पाचन क्रिया को सुधारता है। ध्यान रहे कि फलों को काटने के तुरंत बाद खा लें, उन्हें लंबे समय तक काटकर खुला न छोड़ें।

मौसमी सब्जियां: आमतौर पर हरी पत्तेदार सब्जियों को सेहतमंद माना जाता है, लेकिन मानसून में इनमें कीड़े, लार्वा और फंगस लगने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन के शोध बताते हैं कि इस मौसम में पत्तागोभी, पालक और ब्रोकली की परतों में छिपे बैक्टीरिया धोने के बाद भी पूरी तरह नहीं निकलते। इसकी जगह लौकी, तोरई, कद्दू, टिंडा और परवल जैसी बेल वाली सब्जियों का सेवन करें। ये सब्जियां हल्की होती हैं और पेट पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालतीं।

छाछ, दही और कांजी: पाचन तंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए आंतों के अच्छे बैक्टीरिया का स्वस्थ होना जरूरी है। न्यूट्रिशनिस्ट्स के अनुसार, दोपहर के भोजन में घर का जमा हुआ ताजा दही या जीरा-हींग युक्त छाछ शामिल करें। प्रोबायोटिक्स आंतों की परत को मजबूत करते हैं और संक्रमण फैलाने वाले बैक्टीरिया को पेट में टिकने नहीं देते।

एंटी-बैक्टीरियल मसाले: भारतीय रसोई में इस्तेमाल होने वाले मसाले प्राकृतिक दवा की तरह काम करते हैं। बरसात के दिनों में खाना बनाते समय हल्दी, जीरा, धनिया, मेथी दाना, हींग और लहसुन का प्रयोग थोड़ा बढ़ा दें। *

(डायटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. दिनेश चवन
सीनियर कंसल्टेंट-ऑन्कोलॉजी
अपोलो हॉस्पिटल, नवी मुंबई

ऑक्सीजन को शरीर के समस्त अंगों तक फेफड़े ही पहुंचाते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप आपके जीवन का सफर आगे बढ़ता रहता है, किंतु शरीर का यह महत्वपूर्ण अंग जब कैंसरग्रस्त होता है, तब जीवन पर संकट के बादल छाने लगते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार भारत में पुरुषों में अन्य अंगों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर के सर्वाधिक मामले सामने आते हैं। लंग कैंसर दो प्रकार के होते हैं-

नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर: ये फेफड़ों के कैंसर का सबसे कॉमन प्रकार है। लंग्स कैंसर के ज्यादातर मामले एनएससीएलसी से संबंधित होते हैं।

स्मॉल सेल लंग कैंसर: नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर की तुलना में स्मॉल सेल लंग कैंसर (एससीएलसी) कहीं अधिक तेजी से बढ़ता है और इसका इलाज करना कठिन होता है।

लंग कैंसर के कारण

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर के लगभग 80 प्रतिशत मामले विभिन्न रूपों में धूम्रपान के कारण सामने आते हैं। धूम्रपान के अतिरिक्त जो लोग धूम्रपान करने वाले लोगों के संपर्क में आते हैं, उनमें भी कालांतर में फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट रहने वाले को पैसिव स्मोकर कहा जाता है।

जेनेटिक गड़बड़ी: धूम्रपान से शरीर में ऐसे तमाम केमिकल्स फेफड़ों में जाते हैं, जो कालांतर में जीन्स में गड़बड़ी उत्पन्न करते हैं और यह स्थिति एक अर्से बाद कैंसर का जोखिम बढ़ा देती है। वहीं जिन लोगों के परिवार के सदस्यों में फेफड़ों का कैंसर अतीत में रहा हो, उनमें लंग कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण से बढ़े रिस्क: शहरों में सड़कों पर वाहनों का धुआं भी लोगों के फेफड़ों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। यह स्थिति कालांतर में फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा रही है। देश के अनेक महानगरों और छोटे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) दिनोंदिन खराब होता जा रहा है। जिस सूचकांक को 100 के अंदर होना चाहिए वह लगभग 200 के पार और अनेक बड़े शहरों में 400 के पार तक पहुंच जाता है।

स्पेशल: वर्ल्ड लंग कैंसर-डे, 1 अगस्त

जब फेफड़ों के किसी भाग या टिश्यूज में स्थित कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगती हैं, तब फेफड़ों के किसी भाग में गांठ (नोड्यूल) बनना शुरू हो जाती है, जो बाद में फेफड़े के कैंसर का कारण बनती है। इसके होने के कई कारण हैं। लेकिन समय पर पता लगने पर अब इसका ट्रीटमेंट संभव है। लंग कैंसर से जुड़ी उपयोगी जानकारी आपको यहां दे रहे हैं।

लाइलाज नहीं रहा लंग कैंसर

लंग कैंसर के प्रमुख लक्षण

- मामूली शारीरिक परिश्रम करने पर भी सांस फूलने लगती है या सांस लेने में दिक्कत होना।
- गहरी सांस लेते समय सीने में दर्द होना।
- लगातार बनी रहने वाली खांसी जो लगभग तीन से चार हफ्ते से जारी हो। खांसी की आमतौर पर ली जाने वाली दवाओं के सेवन के बाद भी इस समस्या का बढ़ते जाना।
- खांसने पर या बलगम में खून आना।
- किसी कारण के बिना वजन का कम होना।
- हमेशा लो एनर्जी फील करना, बेवजह बहुत थकान महसूस होना।
- निगलने में दिक्कत और आवाज बैठना।
- सीने में घरघराहट महसूस होना।

हालांकि उपरोक्त लक्षणों का होना इस बात का सूचक नहीं है कि आपको फेफड़े का कैंसर है। इनमें से कई लक्षण अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से भी संबंधित हो सकते हैं। बावजूद इसके यदि आपको इनमें से कोई लक्षण कुछ हफ्तों तक महसूस हों, तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

कैंसर की अवस्थाएं

स्टेज 1: जब कैंसर की गांठ या नोड्यूल फेफड़े के किसी एक निश्चित भाग तक ही सीमित रहता हो।

स्टेज 2: जब कैंसर फेफड़े के अंदर लिंफ नोड्स तक फैल गया हो या फेफड़े के एक ही लोब में एक से अधिक गांठें हों।

स्टेज 3: कैंसर जब दूसरे फेफड़े में फैल चुका हो।

स्टेज 4: कैंसर जब फेफड़े और दिल के आस-पास के द्रव या अन्य अंगों तक फैल चुका हो। इस गंभीर स्थिति को मेटास्टेटिक लंग कैंसर कहते हैं। मेटास्टेटिक, कैंसर का ऐसा प्रकार है, जो एक फेफड़े में शुरू होता है लेकिन दूसरे फेफड़े या अन्य अंगों में फैल जाता है। फेफड़ों के ऐसे कैंसर का इलाज उस कैंसर की तुलना में कहीं ज्यादा जटिल होता है, जो अपने मूल स्थान से बाहर किसी दूसरे अंगों तक नहीं फैला होता है।

डायग्नोसिस के तरीके

इसके डायग्नोसिस के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, सीने का एक्स-रे, एमआरआई, पैट सीटी स्कैन और सीटी स्कैन शामिल हैं। इसके अलावा ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, स्प्यूटम टेस्ट, बायोप्सी और ब्रोन्कोस्कोपी आदि जांचें भी कराई जाती हैं।

इलाज के तरीके हैं कई

विशेषज्ञ डॉक्टर फेफड़े के कैंसर से ग्रस्त मरीज के उपचार की प्रक्रिया का निर्धारण उसके कैंसर की स्टेज, उसकी शारीरिक स्थिति और उम्र आदि बातों के मद्देनजर सुनिश्चित करते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हुई चमत्कारिक प्रगति के कारण अब सर्जिकल प्रक्रिया अतीत की तुलना में मरीज के लिए कहीं ज्यादा लाभदायक हो चुकी है। यही बात कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी के संदर्भ में भी लागू होती है।

सर्जरी: इसके अंतर्गत फेफड़े के कैंसरग्रस्त भाग या प्रभावित टिश्यू को सर्जरी के जरिए निकाला जाता है। जब कैंसरग्रस्त भाग एक ही जगह पर हो और वह शरीर के अन्य भागों में नहीं फैला हो, तब सर्जरी की जाती है।

रेडिएशन थेरेपी: इसके अंतर्गत प्रोटोन थेरेपी, लीनियर एक्सिलरेटर्स, 'गामा नाइफ' और 'साइबर नाइफ' आदि का इस्तेमाल किया जाता है। अब आधुनिक रेडिएशन थेरेपी के जरिए कैंसरग्रस्त भाग के आस-पास के स्वस्थ टिश्यूज को बचाते हुए कैंसरग्रस्त टिश्यूज तक रेडिएशन की सटीक डिलीवरी संभव है।

रोबोटिक सर्जरी: अब रोबोट की सहायता से मिनिमल इनवेसिव सर्जरी संभव है, जिससे मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

कीमोथेरेपी: मेडिकल साइंस में हुए शोध-अनुसंधानों के कारण कीमोथेरेपी में नई दवाएं शामिल हो चुकी हैं, जिनके कारण मरीज को अब कम 'साइड और आफ्टर इफेक्ट' सहने पड़ते हैं।

इम्यूनोथेरेपी: मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति होती है, जिसे इम्यूनिटी कहा जाता है। मेडिकल साइंस के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति में कैंसर से लड़ने की इम्यूनिटी होती है, जो शरीर में कैंसरस कोशिकाओं को खत्म कर देती है। इम्यूनोथेरेपी के लिए इंजेक्शन आते हैं, जिन्हें कैंसर विशेषज्ञ के परामर्श से लगाया जाता है। ऐसे इंजेक्शंस इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

फेफड़ों के कैंसर से संभव है बचाव

धूम्रपान से बचें: एक अध्ययन के अनुसार धूम्रपान छोड़ने से आपके फेफड़ों के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। अगर धूम्रपान छोड़ने में आपको दिक्कत हो रही है, तो अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

पैसिव स्मोकिंग से बचें: अगर आप धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट संपर्क में रहते हैं तो ऐसी स्थिति में भी आप उनके द्वारा वातावरण में छोड़ी गई सांस ग्रहण कर सकते हैं, जिसे सेकेंड हैंड स्मोकिंग या पैसिव स्मोकिंग भी कहते हैं, जो अत्यंत नुकसानदेह है।

बचें वाहनों के धुएं से: वाहनों से निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड पाया जाता है, जो फेफड़ों के लिए अत्यंत नुकसानदेह है। इसलिए वाहनों के प्रदूषण और अन्य प्रदूषित माहौल से बचने के लिए मास्क पहनें।

जरूरी है हेल्दी लाइफस्टाइल: हेल्दी लाइफस्टाइल से कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अंतर्गत संतुलित पौष्टिक खान-पान, व्यायाम और तनाव प्रबंधन आदि शामिल हैं। खान-पान में हरी सब्जियों, फलों और साबुत अनाजों को वरीयता दें। जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से जहां तक संभव हो परहेज करें।

मोटापे से बचे रहें: मोटापा हृदय रोग और मधुमेह को ही नहीं, बल्कि कैंसर के जोखिम को भी बढ़ा देता है। मोटापे को दूर करने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें और अपने खान-पान में नमक, चीनी और अत्यधिक चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थ और उत्पादों का कम से कम सेवन करें। मोटापे के संदर्भ में बीएमआई के बारे में अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

प्रिकॉशन
डॉ. एम. वली
सीनियर फिजीशियन
सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

हाल ही में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित कुछ राज्यों में आए कोविड-19 के नए मामलों की खबर सुर्खियों में रहीं। इनमें अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं, जबकि कुछ बुजुर्गों और पहले से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। आंध्र प्रदेश में चार ऐसे मरीजों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है।

डरें नहीं-सजग रहें: स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि कोरोना संक्रमित अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत की वजह केवल कोरोना संक्रमण नहीं, को-मॉर्बिडिटी थीं। यानी ये मरीज पहले से ही डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, फेफड़ों की बीमारी, किडनी की बीमारी और दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। कमजोर इम्यूनिटी के कारण कोरोना की जंग में वे हार गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड अब पेंडेमिक नहीं, बल्कि एंडेमिक स्टेज में पहुंच गया है। कभी पूरी तरीके से खत्म नहीं होगा। हमें कोरोना के साथ जीना है। करोना जाएगा नहीं, कोरोना के साथ रहना है। हम अक्सर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना भूल जाते हैं, जिसकी वजह से कोरोना के मामले देखने को मिलते हैं। कोविड-19 अब इंफ्लुएंजा (फ्लू) जैसे श्वसन संक्रमणों की श्रेणी में शामिल होता जा रहा है, जो मौसम के अनुसार समय-समय पर बढ़ सकते हैं। जैसे हर साल मौसम बदलने पर सर्दी-जुकाम या फ्लू के मामले आते हैं। वैसे ही अब कोविड के भी छिटपुट मामले समय-समय पर सामने आते रहेंगे।

नए केसेस आने की वजह: साल 2020 से 2022 तक पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाला एसएआरएस-कोव-2 वायरस म्यूटेशन के बाद समय-समय पर अपना स्वरूप बदलता रहता है। इसी कारण इसके नए वैरिएंट सामने आते रहते हैं। आंध्र प्रदेश में मिले अधिकांश संक्रमण ओमिक्रॉन परिवार से जुड़े हैं। इनकी आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट के रूप में पहचान हुई है। लेकिन इन्हें 2020-21 जैसी गंभीर महामारी का संकेत नहीं माना जा रहा है। अधिकांश संक्रमण हल्के हैं और अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट पहले के कोरोना वैरिएंट्स से अधिक घातक हैं। फिर भी, वायरस के लगातार बदलते स्वरूप को देखते हुए सतर्क रहना, लक्षण होने पर जांच कराना और विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले लोगों की सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी है।

हाल में कुछ प्रदेशों में कोरोना संक्रमण के कुछ मामले सामने आए। इससे लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस मामले में बिना घबराए हुए कोरोना से बचाव के लिए सावधानी बरतना सबसे जरूरी है। इस बारे में और डिटेल में जानिए।

सामने आए हैं कोरोना के कुछ मामले रहें पूरी तरह सतर्क-बरतें सावधानी

किन्हें है रिस्क: सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को है, जो कमजोर इम्यूनिटी वाले यानी छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग हैं। या फिर जो पहले से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, सीओपीडी जैसी फेफड़ों की पुरानी बीमारी, हाइपरटेंशन, किडनी की बीमारी या कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं। इन लोगों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

कोरोना वैक्सीन कितनी प्रभावी: पहले कोरोना वैक्सीन लगवा चुके लोगों को आज भी संक्रमण होने की संभावना हो सकती है। चूंकि वायरस समय के साथ बदलता रहता है और वैक्सीन से बनी संक्रमण-रोधी इम्यूनिटी या एंटीबॉडी भी धीरे-धीरे कम हो सकती है। फिर भी अधिकांश मामलों में यह वैक्सीन कोरोना से बचाव का सुरक्षा कवच है। यह भले ही इंफेक्शन को पूरी तरीके से न रोक पाए, लेकिन यह गंभीर बीमारी, अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के जोखिम से काफी हद तक बचाने में मदद करती है।

कैसे करें बचाव

- कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।
- भीड़-भाड़ में दूसरों से दूरी बनाए रखें।
- भीड़-भाड़ वाली जगह जाना जरूरी हो, तो मास्क जरूर पहनें।
- हाथों की स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें। समय-समय पर साबुन से हाथ धोएं या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें।
- वैक्सीनेशन को नजरअंदाज बिल्कुल न करें। अगर आप हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं तो वैक्सीनेशन को लेकर अपने डॉक्टर से बात जरूर करें। या फिर अगर इंटरनेशनल ट्रैवल पर जा रहे हों, तब बूस्टर डोज जरूर लगवाएं।
- संतुलित आहार खाएं। मौसमी और ताजे फल ज्यादा खाएं।
- नियमित वॉक करें, एक्सरसाइज करें, डीप ब्रीदिंग करें, प्राणायाम करें।
- अगर बुखार, खांसी या सांस लेने में दिक्कत हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

क्या हैं लक्षण: संक्रमित व्यक्ति को इंफ्लुएंजा के समान लक्षण हो रहे हैं जैसे- मांसपेशियों में दर्द, बदन दर्द, बुखार, खांसी आना, नाक बहना या कंजेशन होना, गला खराब होना, कमजोरी, थकान, स्वाद और गंध में बदलाव। ध्यान न देने पर निमोनिया भी हो सकता है।

कब जाएं डॉक्टर के पास: अगर बुखार तीन से पांच दिन तक बना रहे, लगातार खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ हो, ऑक्सीजन स्तर कम हो, सीने में दर्द या गंभीर कमजोरी महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। जल्दी पता चलने से न सिर्फ इलाज आसान होता है, बल्कि संक्रमित व्यक्ति अनजाने में दूसरों को संक्रमित करने से भी बचता है।

कैसे होता है उपचार: फिलहाल कोरोना के इस नए वैरिएंट के लिए कोई अलग या विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। उपचार रोग की गंभीरता और मरीज के जोखिम के आधार पर किया जाता है। उपचार के दौरान जरूरी है कि संक्रमित व्यक्ति और उसके नजदीकी लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।

संक्रमित व्यक्ति को आइसोलेट किया जाता है। अधिकांश हल्के मामलों में मरीज के लक्षणों के अनुसार (सिंप्टोमैटिक) उपचार ही किया जाता है। यानी घर पर आराम करने, बुखार या दर्द (जैसे पैरासिटामोल), खांसी की दवा लेने, संतुलित-पोषक-सुपाच्य आहार लेने और पर्याप्त पानी पीने संबंधी सलाह दी जाती है। कोरोना का सेल्फ-लिमिटिंग नेचर (शरीर की प्रतिरक्षा के कारण स्वतः नियंत्रित होने वाला संक्रमण) होने के कारण अधिकांश मरीज 6-7 दिन में स्वस्थ हो जाते हैं। जबकि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी या कमजोर प्रतिरक्षा वाले हाई रिस्क कैटेगरी के मरीजों को विशेष निगरानी और चिकित्सकीय उपचार की जरूरत पड़ सकती है। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर विशेष एंटीवायरल दवाएं भी दी जाती हैं। समय पर शुरू किया गया उपचार बीमारी के गंभीर रूप लेने के जोखिम को कम कर सकता है। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

विश्व सांई नाथ कृपालय संस्था द्वारा स्वौच्छिक रक्तदान शिविर में अपने जन्मदिन पर 108 वी बार किया रक्तदान अस्फाक खान ने

बड़ी संख्या में रक्तदाताओ ने लिया भाग

(यंग भारत न्यूज)

झांसी आज इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं विश्व साईं नाथ कृपालय रजि. संस्था के संयुक्त तत्वावधान में स्वौच्छिक रक्तदान शिविर आई. एम. ए.भवन में आयोजित किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ अनु निगम सचिव आई एम ए डॉ. डीके गुप्ता परख ब्लड बैंक डायरेक्टर अभिनंदन जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष एन.पी. ए .एवं मोहम्मद जाहिद मंसूरी राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व साइन नाथ कृपालय संस्था ने दीप प्रज्वलित कर किया। बड़ी संख्या में रक्तदानियो ने भाग लिया। दिव्यांग सुशील कुमार, बीमार पति एवं 3 माह पहले ट्रक हादसे में जान गवाने वाली उनकी बड़ी बेटी की मौत के बाद सीमा गुप्ता ने पहली बार रक्तदान करने वाली एवं 107 बार रक्तदान करने वाले अस्फाक खान ने अपने जन्मदिन पर 108 वी बार रक्तदान किया।

डॉ डीके गुप्ता ने बताया कि आपका एक रक्तदान किसी की जिंदगी बचा सकता है आप किसी को नया जीवन देने का पुण्य कमा सकते हैं।रक्तदान करने वाले की आयु 18 वर्ष से 65 वर्ष के बीच होनी चाहिए न्यूनतम वजन 45 किलो होना अनिवार्य है अभिनंदन जैन ने कहा आज का दिन समर्पित है उन सभी महान रक्तदाताओ को जिन्होंने निस्वार्थ भाव से रक्तदान कर अनेकों जिंदगियों को नया जीवन दिया है,मोहम्मद जाहिद मंसूरी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा रक्तदान सिर्फ एक बूंद नहीं, किसी की सांसों की उम्मीद होती है हम दिव्यांग सुशील कुमार 108 बार रक्तदान करने वाले अशफाक खान कुछ महीने पहले अपने पति बेटी को खोने वाली सीमा गुप्ता सिकंदर शाह आनंद कुशवाहा शहनाज ख़ान आदि रक्तदाताओ को हमारी संस्था उन्हें सलाम करती है ।मीनू खान राष्ट्रीय महासचिव ने कहा मानवता की सेवा और रक्तदान जागरूकता के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों के लिए हमारी संस्था समर्पित है।सभी रक्तदाताओ को फ़ूल माला पहनकर एवं एक पौधा माता पिता के नाम भेंट कर मुख्य अतिथि डॉक्टर अनु निगम डॉक्टर डीके गुप्ता द्वाराप्रभावित प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया कार्यक्रम में उपस्थित मोहम्मद जाहिद मंसूरी राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिनंदन जैन मीनू खान काजल कुशवाह वॉलीवुड मॉडल हेमंत कुशवाह आर सेन कमलेश कुशवाहा परवेज खान सोनू चटर्जी अमजद जाफरी राजकुमार शर्मा मुकेश सेन आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद जाहिद मंसूरी ने किया अंत में आभार व्यक्त मीनू खान ने किया

प्रभारी प्रधानाध्यापकों ने नियमित प्रधानाध्यापक का वेतन देने हेतु दिया प्रत्यावेदन

-बी एस ए ने दिया नियमानुसार निस्तारण का आश्वासन

(यंग भारत न्यूज)

ललितपुर। आज शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मुलाक़ात की व मा हाईकोर्ट के नवीनतम आदेश के सापेक्ष प्रभारी प्रधानाध्यापकों को नियमित प्रधानाध्यापकों के समान वेतनमान देने की मांग करते हुए प्रत्यावेदन प्रस्तुत करते हुये शीघ्र निस्तारण का अनुरोध किया जिस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय ने नियमानुसार मामले का निस्तारण करने का आश्वासन दिया तथा कहा कि यह नीतिगत मामला है और शासन की नजर में है इस पर प्रतिनिधिमंडल की तरफ से शिक्षक देवेश शर्मा ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय को साधुवाद व्यक्त किया ज्ञातव्य है कि ललितपुर जनपद से उनचास प्रभारी प्रधानाध्यापकों ने याचिका दायर की थी जिस पर मा हाईकोर्ट ने आदेश पारित किया था प्रतिनिधि मंडल में देवेश शर्मा विजय मिश्रा जनार्दन पाल अमरेश राय आदि शामिल रहे।

श्रावण मास के शुभारम्भ पर भगवान शंकर की भव्य शोभा यात्रा का हुआ नगर भ्रमण

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। श्रावण मास समारोह महासमिति के तत्वावधान में श्रावण मास के शुभारम्भ पर बड़ागांव गेट स्थित श्री हनुमान मन्दिर से आज रवीश त्रिपाठी के मुख्य संयोजन में भगवान भोले शंकर की भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी। भगवान भोलेशंकर सहित सभी स्वरूपों का तिलक पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने किया। तत्पश्चात शोभायात्रा का शुभारम्भ महापौर बिहारी लाल आर्य, विधान परिषद सदस्य श्रीमती रमा निरंजन एवं राज्य मंत्री हरगोविंद कुशवाहा व पूर्व प्राचार्य आलोक शांडिल्य ने भगवान भोले शंकर सहित सभी स्वरूपों का आरती कर किया।

भगवान भोले शंकर की भव्य शोभा यात्रा में सबसे आगे ढोल की आवाज के साथ घोड़ों पर राक्षसगण आकर्षक का केन्द्र रहे। इसके पीछे बग्घी पर ब्रह्मा जी, विष्णु जी के स्वरूप विराजमान थे। बैण्ड बाजे 'हे भोले भण्डारी, तेरी महिमा है सबसे न्यारी' एवं 'आया सावन का त्योहार, आया भोले बाबा का त्योहार आया' आदि धार्मिक धुन बजाकर चल रहे थे। दो घोड़ों की बग्धी पर भगवान भोले शंकर के साथ नन्दी महाराज विराजमान थे। भगवान भोले शंकर एवं नन्दी महाराज की शोभा यात्रा को देखने के लिये बाजारों में भीड़ उमड़ पड़ी। भोले शंकर की भव्य शोभा यात्रा का नेतृत्व महासमिति के अध्यक्ष रवीश त्रिपाठी कर रहे थे। शोभा यात्रा बड़ागांव गेट से प्रारम्भ होकर गुदरी गोला कुआं, गांधी का टपरा, बिसाती बाजार, मालिनों का चौराहा, बजाजा बाजार, मानिक चौक, सिन्धी चौराहा, रानीमहल, मिनर्वा चौराहा से होती हुई फूटा चोपड़ा स्थित श्री पंचमुखी महादेव मंदिर पर विसर्जित हुई। जहां पर पंचमुखी महादेव की महाआरती कर प्रसाद वितरित किया गया। शोभा यात्रा में महानगर धर्माचार्य हरिओम पाठक, विनोद अग्रवाल, कालीचरन जारौलिया, बन्टी दुबे, इंजी0 मयंक श्रीवास्तव पार्षद, अखिलेश पाण्डेय, रामू बिन्दल, ऋषभ त्रिपाठी, महेश पाण्डे, संजीव त्रिपाठी, सुभाष चौरसिया, गोकुल दुबे, देवदत्त नायक, विष्णु तिवारी, संजीव शर्मा, पी.के. उपाध्याय, भास्कर जारौलिया, सुरेन्द्र तिवारी, पिन्टू माली, विनोद समाधिया, मधु अग्रवाल, सुधा गुप्ता, नंदा यादव, इंदिरा परिहार, कल्पना शर्मा ,हेमलता सिंह ,आयुषी गुप्ता, कविता शर्मा, अनीता जरौलिया, रॉकी महाराज,सेवक ताम्रकार, अशोक बुधौलिया, संगम शर्मा, राजीव श्रीवास्तव, राजेन्द्र पचौरी, राजेन्द्र तिवारी, प्रदीप यादव, अभिषेक भारद्वाज, मोनू शिवहरे, श्री राम पुरोहित, प्रभु साहू, राजू ताम्रकार, जगदीश साहू ,शिवम गुप्ता, अमर सिद्ध, रामसहाय साहू,विकास नगरिया, राजेंद्र सिंह यादव, जुगल किशोर शिवहरे, जयंत साहू,राजीव त्रिपाठी आदि हर हर महादेव के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शोभा यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं शीतल शर्बत पिलाकर स्वागत किया गया। शोभा यात्रा के समापन पर महासमिति के अध्यक्ष रवीश त्रिपाठी ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

दद्दा ध्यानचंद की नगरी में आज सजेगा हॉकी का महाकुंभ, खिताब के लिए भिड़ेंगी प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ टीमें

-दद्दा ध्यानचंद की नगरी में आज होगा खिताब का फैसला, झाँसी समेत तीन टीमें फाइनल में

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। दद्दा मेजर ध्यानचंद की कर्मभूमि झाँसी में आयोजित 70वीं प्रदेशीय विद्यालयीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता-2026 अब अपने रोमांचक अंतिम पड़ाव पर पहुँच गई है। गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कई मुकाबले बेहद संघर्षपूर्ण रहे और पेनल्टी शूटआउट तक पहुँचे। अब शुक्रवार को मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में विभिन्न वर्गों के खिताबी मुकाबले खेले जाएंगे।

अंडर-17 बालक वर्ग के सबसे रोमांचक सेमीफाइनल में झाँसी और मुरादाबाद के बीच निर्धारित समय तक मुकाबला गोलरहित (0-0) बराबरी पर रहा। इसके बाद हुए पेनल्टी शूटआउट में झाँसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-1 से जीत दर्ज कर फाइनल का टिकट पक्का किया। दूसरे सेमीफाइनल में प्रयागराज ने लखनऊ को 1-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अंडर-15 बालक वर्ग में मुरादाबाद ने झाँसी को 1-0 तथा प्रयागराज ने लखनऊ को 5-0 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। तीसरे स्थान के मुकाबलों में अंडर-17 बालिका वर्ग में अलीगढ़ ने प्रयागराज को वॉकओवर से पराजित किया। अंडर-17 बालक वर्ग में मुरादाबाद ने लखनऊ को 4-0 तथा अंडर-15 बालक वर्ग में झाँसी ने लखनऊ को 3-0 से हराकर तीसरा स्थान अपने नाम किया। अब शुक्रवार को सभी की निगाहें मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर रहेंगी। प्रात: 9 बजे से शुरू होने वाले फाइनल मुकाबलों में अंडर-17 बालिका वर्ग में झाँसी का सामना मेरठ से, अंडर-15 बालक वर्ग में मुरादाबाद और प्रयागराज तथा अंडर-17 बालक वर्ग में झाँसी और प्रयागराज के बीच खिताबी भिड़ंत होगी। प्रतियोगिता के तृतीय दिवस के मैचों का संचालन तकनीकी निदेशक श्री सुबोध खंडकर के निर्देशन में संपन्न हुआ। तकनीकी टेबल पर श्री अशोक चन्द्र ओझा, श्री सतीश चन्द्र लाला एवं कु. कशिश यादव तथा अंपायर श्री सुनील गुप्ता, श्री अमित गुप्ता, श्री रूपेन्द्र कुमार, श्री जावेद खान, श्री सुशील महर्षि, श्री जावेद अल्ताफ, श्री सैय्यद एहतेशाम अली एवं श्री हिम्मत उल्ला खाँ ने प्रतियोगिता का सफल संचालन किया। इस अवसर पर श्री कोमल सिंह यादव, डॉ. अनुप्रिया जैन, सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री सुनील कुमार, मंडलीय सचिव श्री अजय सिंह, जनपदीय सह सचिव सुनीता तिवारी, कवीन्द्र वर्मा, त्रिभुवन सिंह, पवन सिंह, प्रियंका सिंह, इन्द्रेश पाठक, विजय प्रताप एवं प्रदीप सिंह चौहान सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सभी सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। पत्राचार एवं प्रमाण-पत्र लेखन का दायित्व कमलेश कुमार, गंगा शरण शुक्ला एवं हरीश शर्मा ने निभाया। प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं के समन्वय में मंडलीय खेलकूद समन्वयक नीतू सिंह तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी आसमा खान का उल्लेखनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन अजय वर्मा ने किया।

शगुफ्ता डांस स्टूडियो द्वारा गुरु पूर्णिमा उत्सव, बैठक, गंडा बंधन एवं घुंघरू पूजन का भव्य आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। शगुफ्ता डांस स्टूडियो द्वारा गुरु पूर्णिमा उत्सव, बैठक, गंडा बंधन एवं घुंघरू पूजन का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु वंदना एवं घुंघरू पूजन से हुआ। इस अवसर पर गंडा बंधन संस्कार संपन्न कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण एवं भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा के संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. रजनी गौतम (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) रहीं। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को निरंतर सीखने एवं अपनी कला को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की निर्णायक (जज) प्रसिद्ध कोरियोग्राफर शेली सिंह रहीं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया तथा बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर कथक नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियाँ देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में शगुफ्ता डांस स्टूडियो की निदेशक एवं शगुफ्ता कथक नृत्य कला समिति की संस्थापक डॉ. शगुफ्ता खान ने सभी मुख्य अतिथियों, निर्णायक मंडल, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं उपस्थित अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा एवं शास्त्रीय नृत्य के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह का समापन पुरस्कार वितरण, सम्मान समारोह एवं सामूहिक छायाचित्र के साथ हुआ।

करंट लगने से 2 किसानों की मौत

झांसी। झांसी में करंट लगने से दो किसानों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों पार्टनरशिप में खेती करते थे। बुधवार को खेत पर धान में पानी लगाने के दौरान बिजली के तार से एक किसान को करंट लग गया। साथी किसान उसे बचाने के लिए तार हटाने पहुंचा, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

दोनों किसान शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजन देर रात करीब एक बजे खेत पर पहुंचे। वहां दोनों के शव पड़े मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जांच की जा रही है। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर चिरगांव थाना क्षेत्र के जरयाई गांव में हुआ। मृतकों की पहचान बिराठा गांव निवासी कल्लू पाल (52) पुत्र रामदास और बृजेश दांगी (25) पुत्र मोहन सिंह के रूप में हुई है। मृतक के भतीजे राममिलन पाल ने बताया कि दोनों साझेदारी में खेती करते थे। उन्होंने जरयाई गांव में करीब 14 बीघा खेत बटाई पर लिया था, जिसमें धान की फसल बोई थी। बुधवार सुबह दोनों घर से खेत पर धान की सिंचाई करने गए थे। मृतक बृजेश के चचेरे भाई राजा दांगी ने बताया कि धान की फसल में पानी लगाने के लिए ट्रांसफार्मर से खेत तक बिजली का तार बिछाया गया था। कल्लू पाल मोटर चलाने के लिए बिजली का तार जोड़ रहे थे, तभी वह करंट की चपेट में आ गए। उन्हें बचाने के लिए बृजेश दांगी दौड़े और तार हटाने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें भी तेज करंट लगा और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। अंधेरा होने के कारण आसपास के लोगों को घटना की जानकारी नहीं हो सकी। राजा दांगी ने बताया कि रात आठ बजे तक दोनों घर नहीं लौटे तो परिजनों ने फोन किया, लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं की। देर रात तक संपर्क नहीं होने पर परिजन खेत पहुंचे। वहां दोनों के शव खेत के अंदर आठ से दस फीट की दूरी पर पड़े मिले। दोनों के हाथों में बिजली के तार लिपटे हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को चिरगांव सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। बृजेश दांगी अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। उसके पिता मोहन सिंह की पांच वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी थी, जबकि दस वर्ष पहले मां रवि देवी की सांप के काटने से मौत हो गई थी। डेढ़ वर्ष पहले उसकी शादी सुहानी से हुई थी।

गुरु पूर्णिमा पर योग प्रशिक्षुओं ने किया योग गुरु का आशीर्वाद प्राप्त

(यंग भारत न्यूज)

झांसी ।अटल एकता पार्क के प्रांगण में योग वीर आरोग्यधाम के योग गुरु रघुवीर आचार्य द्वारा प्रतिदिन सैकड़ो लोगों को निशुल्क योग प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है । बुधवार को प्रात: 8:00 बजे गुरु पूर्णिमा के अवसर पर योग प्रशिक्षुओं द्वारा योग गुरु रघुवीर आचार्य को माल्यार्पण कर व सुप्रिया द्वारा वस्त्र एवं मिष्ठान प्रदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया । अमर शहीद सेवा संस्थान के महामंत्री दिलीप कुमार चौरसिया ने संचालन करते हुए उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में साँची,उर्मिला,प्रीती वर्मा,प्रतिभा उपाध्याय,अनामिका चौबे,उर्वशी वर्मा,उमेश दुआ,दिलीप सोनी,सुनील,एचके सोनी ,शिवम भटनागर आदि उपस्थित रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318

(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718